MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 16 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-312

नारा-ए-राहुल

इतालवी मुँह से भारत विरोध बर्दाश्त नहीं



नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कार्यक्रम में इटली के एक नेता द्वारा मवोट चोर, गद्दी छोड़फ का नारा लगाए जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, किरेन रिजिजू समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी लगातार चुनाव हारने की हताशा अब अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत विर-ोधी बयान देकर निकाल रहे हैं। भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलने वाली है। वहीं, किरेन रिजिजू ने सवाल उठाया कि जब कोई विदेशी नागरिक देश का अपमान करता है, तो भला कौन हंसता है?

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने भी सवाल उठाया कि इटली का एक नेता भारत की आंतरिक राजनीतिक प्रक्रिया पर टिप्पणी कैसे कर सकता है। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम हैदराबाद में आयोजित किया गया था। हैदराबाद में कांग्रेस के मभारत समिट 2026फ के दौरान इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के समर्थन में वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा लगाया। पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स (पीईएस) के महासचिव फिलिबेक ने कहा कि राहुल गांधी ने मएक व्यक्ति, एक वोटफ के लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है और इसकी रक्षा के लिए राहुल गांधी तथा कांग्रेस के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने इस नारे का अंग्रेजी अनुवाद भी किया- वोट थी , लीव योर सीट। इस दौरान राहुल गांधी हंसते और तालियां बजाते नजर आए। कांग्रेस नेता केंद्र सरकार पर हमला करने के लिए लगातार इस नारे का इस्तेमाल करते रहे हैं। जियाकोमो फिलिबेक के इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

देश के अपमान पर कौन हंसता है?

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन टिप्पणियों पर गांधी की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि जब कोई विदेशी नागरिक देश का अपमान करता है, तो भला कौन हंसता है? सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में संसदीय कार्य मंत्री ने कांग्रेस नेता का सीधे नाम लिए बिना तंज कसते हुए लिखा, क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता है? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे को उठाया। ▶8पर

अमिताभ के घर पर भाभी का दावा

विवादित 'जलसा'



नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमिताभ बच्चन की भाभी रमोला बच्चन वर्ष 1993 के एक उपहार विलेख (गिफ्ट डीड) को चुनौती देने के कारण चर्चा में हैं। इस दस्तावेज के जरिए सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'जलसा' का मालिकाना हक उनकी पत्नी जया बच्चन को हस्तांतरित कर दिया गया था। रमोला का आरोप है कि यह संपत्ति शुरुआत में उनके नाम पर पंजीकृत थी और इसका हस्तांतरण उनकी जानकारी या सहमति के बिना किया गया था।

यह मामला फिलहाल मुंबई के अंधेरी स्थित सहकारी समितियों के उप-पंजीयक कार्यालय में विचाराधीन है। पिछले सात महीनों में रमोला द्वारा कई शिकायतें दर्ज कराए जाने के बाद अब इस मामले में सुनवाई शुरू हो गई है।

जया बच्चन के नाम संपत्ति

कपोल हाउसिंग सोसाइटी के रिकॉर्ड में जया बच्चन को संपत्ति का मालिक बताया गया है, जबकि महाराष्ट्र सरकार के संपत्ति कार्ड में अभी भी रमोला का नाम दर्ज है। रमोला ने इस उपहार विलेख की वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि इसे बिना स्टाम्प शुल्क या गवाहों के हस्ताक्षर के एक सादे कागज पर तैयार किया गया था और बाद में राज्य की अभय योजना के तहत इसे नियमित कर दिया गया। मालिकाना हक के इस विवाद पर अधिकारी अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं।

कौन हैं रमोला बच्चन?

रमोला बच्चन एक फैशन डिजाइनर और व्यवसायी हैं। उनकी शादी अमिताभ बच्चन के छोटे भाई अजिताभ बच्चन से हुई है, जिन्होंने फिल्मों के बजाय कारोबार को अपना करियर चुना। इस दंपति के चार बच्चे हैं- भीम, नम्रता, नैना और नीलिमा। उनकी बेटी नैना की शादी अभिनेता कुणाल कपूर से हुई है। वर्ष 1947 में कलकत्ता में जन्मीं रमोला ने अंग्रेजी साहित्य और राजनीति की पढ़ाई की, जिसके बाद उन्होंने अमेरिका से व्यवसाय प्रबंधन की शिक्षा हासिल की। उन्होंने लंदन में सॉलिसिटर (वकील) के रूप में भी प्रशिक्षण लिया और अपने करियर की शुरुआत में एयर होस्टेस के तौर पर काम किया। उनके व्यावसायिक सफर में टेलीविजन, फैशन, आयोजन और आतिथ्य जैसे क्षेत्र शामिल रहे हैं। उन्होंने लंदन में टीवी एशिया के लिए प्रस्तोता के रूप में काम किया, जहां उन्होंने टोनी ब्लेयर, इमरान खान और रवि शंकर जैसी हस्तियों का साक्षात्कार लिया। ▶8पर

छठ : माता क्रोधित!

प्रसाद झूठा करने पर मासूम को मार डाला



समस्तीपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां छठ पूजा का प्रसाद जूठा कर देने से नाराज एक मां ने अपनी ही चार वर्षीय बेटी की बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी मां रीना कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, यह घटना पूसा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर बिरौली गांव के वार्ड नंबर 12 की है। यहां रहने वाले राजू पासवान की पत्नी रीना कुमारी छठ पूजा के लिए पकवान और प्रसाद तैयार कर रही थी। इसी दौरान उनकी चार वर्षीय बेटी सुहानी कुमारी प्रसाद खाने की जिद करने लगी। मां ने उसे ऐसा करने से रोका, लेकिन बच्ची ने प्रसाद उठाकर जूठा कर दिया।

इसी बात से रीना कुमारी नाराज हो गई और उसने अपनी बेटी की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में सुहानी गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद मां आनन-फानन में बच्ची को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंची और उसे भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घाट बनाने गए थे परिजन

मृत बच्ची के पिता राजू पासवान के मुताबिक, परिवार के अन्य सदस्य छठ पूजा के लिए घाट बनाने गए हुए थे। इसी दौरान घर में यह दर्दनाक घटना हुई। परिवार में तीन बच्चे हैं। इनमें सात वर्षीय शिवानी कुमारी, चार वर्षीय सुहानी कुमारी और डेढ़ साल का बेटा राजा कुमार शामिल हैं। सुहानी की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

घटना की जानकारी गांव के लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पूसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मां रीना कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया।

पिता ने मांगी कठोर सजा

बेटी की मौत के बाद पिता राजू पासवान ने अपनी पत्नी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी को कठोर से कठोर सजा दिलाने का प्रयास करेंगे। इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

पूसा थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि मोहम्मदपुर बिरौली गांव में एक बच्ची की मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया है। आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सिख 'हलाल'! : लंदन में उग्र प्रदर्शन, रेस्टोरेंट बंद करने की माँग

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। लंदन में शुक्रवार रात एक भारतीय रेस्टोरेंट के बाहर सैकड़ों प्रदर्शनकारी जुट गए। प्रदर्शनकारी रेस्टोरेंट को बंद करने की मांग कर रहे थे। यह विवाद रेस्टोरेंट के सिख मालिक द्वारा हलाल भोजन बेचने से इनकार करने के बाद शुरू हुआ। यह जानकारी मडेली मेलफ की रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है।

हैमरसमिथ स्थित इस रेस्टोरेंट का नाम सिंह डाइनिंग है, जिसे पहले मरंगरेजफ के नाम से जाना जाता था। रेस्टोरेंट के बाहर लगे एक बोर्ड पर मगर्व से गैर-'हलाल' लिखा है। रेस्टोरेंट के मालिक हरमन सिंह कपूर को हलाल मांस नहीं बेचने के फैसले और मुस्लिम समुदाय तथा गाजा संघर्ष से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है।

कपूर का कहना है कि उन्हें और उनके परिवार को

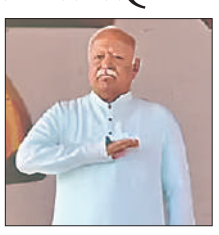


सैकड़ों जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट की खाद्य नीति को लेकर उन्हें और उनके परिवार को लगातार परेशान किया गया तथा डराने-धमकाने के साथ हिंसा की धमकियां भी दी गईं।शुक्रवार रात हुए प्रदर्शन के दौरान मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों ने रेस्टोरेंट और प्रदर्शनकारियों के बीच सुरक्षा घेरा बनाया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नारे लगाते और फिलिस्तीनी झंडे लहराते नजर आए। भीड़ में ज्यादातर पुरुष शामिल थे।

सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में एक व्यक्ति माइक्रोफोन के जरिए प्रदर्शनकारियों को संबोधित करता दिखाई दिया। उसने रेस्टोरेंट को बंद करने की मांग की, जिसके जवाब में भीड़ ने भी इसे बंद करने के नारे लगाए।

रेस्टोरेंट के बाहर निजी सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे। बताया गया कि इन्हें अभिनेता जॉन क्लीज़ ने सुरक्षा के लिए भेजा था। जॉन क्लीज़ पहले भी रेस्टोरेंट के समर्थन में बोल चुके हैं। रेस्टोरेंट मालिक की पत्नी खुशी ने एक वीडियो में जॉन क्लीज़ को समर्थन देने और सुरक्षा भेजने के लिए धन्यवाद दिया। प्रदर्शन के दौरान खुशी ने रेस्टोरेंट की खिड़की पर एक बोर्ड भी लगाया, जिसमें जॉन क्लीज़ को धन्यवाद दिया गया था। ▶8पर

फूट डालो, राज करो नीति से भागवत ने किया आगाह



जोधपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति का जिक्र करते हुए देशवासियों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी पहचानों को बढ़ावा देकर और आंतरिक कलह को भड़काकर भारत को विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ये कोशिशें ठीक वैसी ही हैं, जैसी अंग्रेज अपने शासनकाल के दौरान किया करते थे।

मोहन भागवत राजस्थान में जोधपुर के शिकारपुरा स्थित राजाराम आश्रम में आरएसएस जोधपुर प्रांत की ओर से आयोजित मरू निनाद-2026 घोष शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले ही भारत आज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन कुछ वैश्विक शक्तियां देश को महान बनते नहीं देखना चाहतीं।

उन्होंने कहा कि भारत सभी की उम्मीदों का खजाना है, लेकिन दुनिया की स्थिति बहुत अजीब है। ▶8पर



कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 18⁰

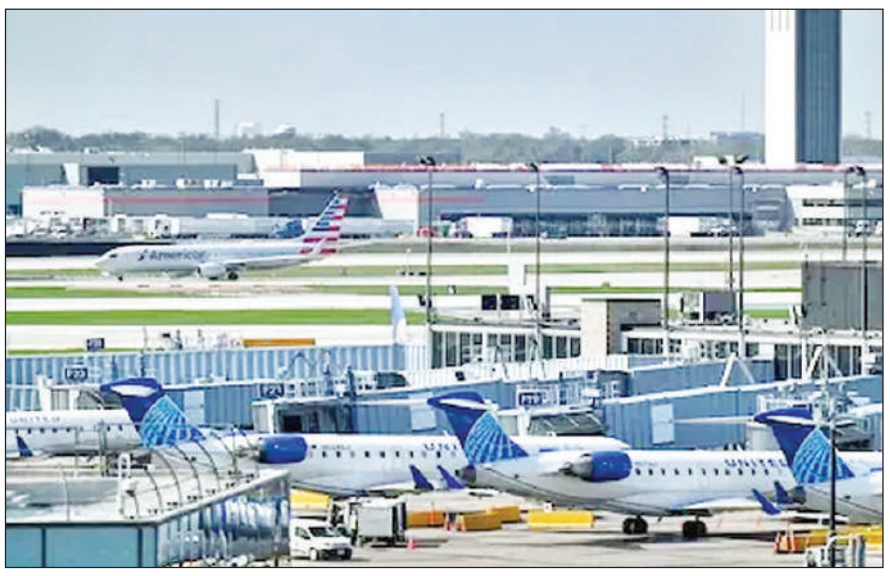
पाँच दिग्गज मुस्लिमों की सूची जारी

मुनीर शीर्ष पर!



नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दुनिया के सबसे प्रभावशाली मुस्लिमों की सूची में संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला है। उनके साथ सऊदी अरब के किंग सलमान, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन को भी शीर्ष स्थान दिया गया है। यह सूची जॉर्डन की राजधानी अम्मान स्थित रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर (आरआईएसएससी) ने जारी की है। रिपोर्ट का नाम मद मुस्लिम 500: द वल्ड्र्स 500 मोस्ट इन्फ्लुएंशियल मुस्लिम्स है। यह इस रिपोर्ट का 18वां संस्करण है।

इस बार पहली बार ऐसा हुआ है कि सूची में नंबर एक का स्थान किसी एक व्यक्ति के बजाय पांच लोगों को संयुक्त रूप से दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी सबसे बड़ी वजह पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुआ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता है। इस समझौते के तहत तीनों देशों ने सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई है। इसका मूल सिद्धांत है कि तीन देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी देशों पर हमला माना जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि इस संयुक्त शीर्ष स्थान पर पांच व्यक्ति शामिल हैं, लेकिन वास्तव में इसे तीन साझा प्रविष्टियों में बांटा गया है। यह इस बात में आए एक बड़े बदलाव को दर्शाता है कि मुस्लिम देश एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए किस तरह मिलकर काम कर रहे हैं। ▶8पर



अमेरिका में हवाई यातायात व्यवधानों का लंबा इतिहास: 9/11 से 2026 तक की प्रमुख घटनाएँ

वाशिंगटन

दुनिया के सबसे विकसित देशों में शुमार अमेरिका में हवाई यातायात का बाधित होना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में नवंबर 2026 में हुई देशव्यापी ग्राउंड स्टाप की घटना ने जहाँ फिर वैश्विक स्तर पर चिंता पैदा की, वहीं यह अमेरिकी विमानन प्रणाली के लंबे व्यवधानों के इतिहास की महज एक और कड़ी है। यह दुनिया के सबसे उन्नत विमानन नेटवर्क में से एक होने के बावजूद, अमेरिकी एयर ट्रैफिक सिस्टम को बीते कई दशकों में कई बार बड़े व्यवधानों का सामना करना पड़ा है। कभी आतंकी हमलों ने विमानों के पहिए थाम दिए, कभी तकनीकी खराबी और एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों की हड़ताल के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं। नवंबर 2026 में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के देशव्यापी ग्राउंड स्टाप आदेश के कारण कई हवाई अड्डों पर उड़ानों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंकड़ों के अनुसार, करीब 481 उड़ानें रद्द हुईं या उसमें 180 मिनट से अधिक की देरी हुई। न्यूयार्क, सैन फ्रांसिस्को और बोस्टन जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर इसका सबसे अधिक असर देखा गया, जिसके चलते यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस जैसी कंपनियों को यात्रियों को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका का आसमान थमा है। अमेरिकी विमानन इतिहास में 11 सितंबर 2001 की घटना सबसे भयावह थी। आतंकी हमलों के बाद एफएए ने पूरे अमेरिका में विमानों के संचालन पर रोक लगा दी थी, जिससे आसमान में मौजूद सभी विमानों को नजदीकी हवाई अड्डों पर उतरने का निर्देश दिया गया।

इस घटना ने अमेरिकी विमानन सुरक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाए। इससे पहले, 3 अगस्त 1981 को एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों की हड़ताल ने देशभर में उड़ानों को ठप कर दिया था। वेतन और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर हुई इस हड़ताल से दैनिक उड़ानों का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ था, जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। तकनीकी खराबी भी इन व्यवधानों का एक प्रमुख कारण रही है। जनवरी 2023 में एफएए के नोटिस टू एयर मिशन्स (नोटम) सिस्टम में खराबी के कारण देशभर में विमानों के टेकआफ पर अस्थायी रोक लगानी पड़ी थी। इस 90 मिनट के व्यवधान से 1,300 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और हजारों में देरी हुई। क्रिसमस 2024 से ठीक पहले, अमेरिकन एयरलाइंस के तकनीकी सिस्टम में खराबी से भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एफएए ने लगभग एक घंटे के लिए एयरलाइन की उड़ानों पर ग्राउंड स्टाप लगा दिया था।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के शासनकाल में 4.83 लाख लोगों का अमेरिका से डिपोर्टेशन, 23 साल का रिकार्ड टूटा



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में निर्वासन की कार्रवाई ने नया रिकार्ड बना दिया है। इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 में अमेरिका से 4,83,200 लोगों को डिपोर्ट किया गया। पिछले 23 वर्षों के दौरान यह सबसे बड़े आंकड़ों में शामिल है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को समाप्त हुए वित्त वर्ष में निर्वासन की संख्या पिछले वर्षों के मुकाबले काफी अधिक रही। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में डिपोर्ट किए गए लोगों की संख्या 2025 के 4,42,640 के मुकाबले करीब नौ प्रतिशत अधिक है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2024 में 2,71,480 लोगों को देश से निकाला गया था। इस लिहाज से 2026 में निर्वासन की संख्या में करीब 78 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2014 में बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान 4,05,090 लोगों को अमेरिका से बाहर किया गया था। ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया था। हालांकि, निर्वासन की इस नीति को लेकर विवाद भी बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में अमेरिका से निकाले गए लोगों में केवल एक तिहाई को ही अपराधी बताया गया था। इससे प्रशासन की कार्रवाई और उसके घोषित उद्देश्यों पर सवाल उठे। मिनियापोलिस सहित कई शहरों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। बढ़ते जनविरोध के बाद प्रशासन ने सार्वजनिक स्तर पर चलाए जा रहे अभियानों के बजाय गुपचुप छापेमारी पर जोर दिया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में मेजर समेत चार की मौत, 24 आतंकवादी मारे गए



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। देश के अशांत प्रांत बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान में खुफिया सूचना पर आधारित सैन्य अभियान में एक मेजर समेत चार सैनिक शहीद हो गए, जबकि 24 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की एकीकृत मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने जारी विज्ञप्ति में जानकारी दी। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञप्ति में कहा गया कि 13 नवंबर से सशस्त्र बलों ने कोलपुर, करदागाप और नुश्की के आसपास अभियान शुरू किया। क्वेटा-ताफ्तान नेशनल हाइवे -40 पर गश्त बढ़ाई गई। 13-14 नवंबर की रात कोलपुर में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल था। सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया। इसके बाद 14 नवंबर को आतंकवादियों ने हथियारों से लैस क्वाडकाप्टर (ड्रोन) के जरिए गश्त कर रहे सेना के वाहनों को निशाना बनाया। इस हमले में चकवाल जिले के मेजर उमर मिन्हास नासिर और कोटली सत्तियां के हवलदार मोहम्मद अदनान खान की जान चली गई।

दुल्हन के साथ हुआ बड़ा हादसा, धान के खेत में पलटी कार.....कीचड़ से सना सफेद गाउन, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

वियतनाम। शादी का दिन हर किसी के जीवन का खास पल होता है, लेकिन वियतनाम में एक नवविवाहित जोड़े के लिए खुशियों का यह दिन अचानक हादसे में बदल गया। शादी की रस्में पूरी होने के बाद ससुराल जा रही दुल्हन की कार सड़क से फिसलकर धान के खेत में पलट गई। हादसे में दुल्हन का खूबसूरत सफेद वेडिंग गाउन कीचड़ से पूरी तरह सन गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, 19 वर्षीय दुल्हन डैम थी जुआन की शादी 21 वर्षीय ली वैन वियत से हुई थी। 10 नवंबर को शादी की रस्में पूरी होने के बाद दोनों कार से ससुराल के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान तेज हवाओं और बारिश के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते कार सड़क से फिसलकर करीब एक मीटर गहरे कीचड़ से भरे धान के खेत में जा गिरी। हादसे के दौरान दुल्हन की तरफ वाली खिड़की खुली होने के कारण उसका चेहरा सीधे कीचड़ में जा लगा। उसका सफेद शादी का गाउन भी पूरी तरह गंदा हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दूल्हा-दुल्हन को बाहर निकालने की कोशिश की। शुरुआत में कुछ युवकों ने कार को सीधा करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में स्थानीय लोग एकजुट हुए और काफी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस हादसे को लेकर सबसे ज्यादा चिंता दुल्हन की सेहत को लेकर थी, क्योंकि वह गर्भवती थी। उस तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसकी जांच की।

नेपाल में बंद होगी 3 जी सेवा, 4जी नेटवर्क पर होगा पूरा फोकस

काठमांडू



नेपाल के दूरसंचार क्षेत्र में बड़ा तकनीकी बदलाव होने जा रहा है। देश की दो प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां निजी क्षेत्र की एनसेल और सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकाम देशभर में अपनी 3 जी सेवा बंद कर 4 जी तकनीक पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने की तैयारी कर रही हैं।

दुनियाभर में दूरसंचार कंपनियां पुरानी पीढ़ी की मोबाइल तकनीक को हटाकर नई तकनीक और नेटवर्क क्षमता के विस्तार में निवेश कर रही हैं। इसी क्रम में नेपाल की दोनों प्रमुख कंपनियों ने भी 3 जी नेटवर्क बंद करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस मामले में निजी दूरसंचार कंपनी एनसेल आगे है।

एनसेल ने दिसंबर 2026 तक देशभर में 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, नेपाल टेलिकाम भी चालू वित्त वर्ष के भीतर ही 3जी सेवा पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी कर रहा है।

एनसेल के अनुसार, कंपनी ने देशभर में संचालित कुल 3,139 नेटवर्क साइटों में से 992 साइटों पर 3 जी सेवा पूरी तरह बंद कर दी है। यह कुल नेटवर्क साइटों का लगभग 32 प्रतिशत है। कंपनी के अनुसार, बाकी करीब 2,150 साइटों पर संचालित 3 जी सेवा भी तिहार के बाद चरणबद्ध तरीके से बंद करने की तैयारी है।

एनसेल पहले चरण में लुंबिनी और गंडकी प्रदेश में 3जी सेवा बंद करेगा। इसके बाद बागमती प्रदेश और फिर मधेश, गंडकी तथा कोशी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे-धीरे यह सेवा समाप्त की जाएगी।

कंपनी के मुताबिक, उसके कुल सक्रिय ग्राहकों में से केवल करीब 3 प्रतिशत ग्राहक ही फिलहाल 3 जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, देशभर में 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद 4 लाख 20 हजार से अधिक ग्राहकों के पास अभी भी 3जी सिम मौजूद हैं।

एनसेल का दावा है कि उसकी 4जी सेवा देश की करीब 95 प्रतिशत आबादी तक पहुंच चुकी है। कंपनी का उद्देश्य 3जी सेवा बंद कर नेटवर्क क्षमता और उपलब्ध स्पेक्ट्रम का अधिकतम इस्तेमाल करना है। पुरानी तकनीक हटने से उपलब्ध संसाधनों को नई तकनीक की सेवा गुणवत्ता सुधारने में लगाया जा सकेगा।

एनसेल ने स्पष्ट किया है कि 3जी सेवा बंद होने के बावजूद ग्राहक बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित नहीं होंगे। जिन ग्राहकों के पास 4जी सपोर्ट नहीं करने वाले पुराने मोबाइल फोन हैं, वे 2जी नेटवर्क के जरिए सामान्य वायस काल और एसएमएस सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे।

वहीं, पुराने सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को कंपनी मुफ्त में 4जी सिम उपलब्ध कराएगी। सिम बदलने पर सात दिनों के लिए 2 जीबी इंटरनेट डेटा भी मुफ्त दिया जाएगा।

कंपनी ग्राहकों को 4जी नेटवर्क पर ही वायस काल करने के लिए वीओएलटीई तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस तकनीक के जरिए मोबाइल डेटा इस्तेमाल करते हुए भी 4जी नेटवर्क पर अधिक स्पष्ट और तेज वायस काल की सुविधा मिलती है।

एनसेल के बाद सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकाम ने भी चालू वित्त वर्ष के भीतर 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की तैयारी शुरू कर दी है।

नेपाल टेलिकाम के प्रवक्ता कमल लामिछाने ने बताया कि नेपाल ही नहीं, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों में दूरसंचार कंपनियां 3जी तकनीक को धीरे-धीरे विस्थापित कर रही हैं। इसी प्रक्रिया के तहत नेपाल टेलिकाम भी वित्त वर्ष 2026/27 में अपनी 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की दिशा में काम कर रहा है। फिलहाल कंपनी 2100 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 3जी सेवा संचालित कर रही है।

लामिछाने के अनुसार, 3जी सेवा बंद होने के बाद ग्राहक इंटरनेट डेटा के लिए 4जी और सामान्य वायस काल के लिए 2जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, डेटा और वायस काल दोनों सुविधाएं एक ही नेटवर्क से इस्तेमाल करने के इच्छुक ग्राहक 4जी की वीओएलटीई सुविधा ले सकते हैं। इससे इंटरनेट और वायस काल दोनों की गुणवत्ता बेहतर होगी।

नेपाल टेलिकाम अब तक देश की 760 स्थानीय निकायों तक 4जी सेवा का विस्तार कर चुका है। कंपनी बाकी स्थानीय निकायों में भी 4जी सेवा पहुंचाने और नेटवर्क की गुणवत्ता सुधारने की योजना पर काम कर रही है।

दोनों प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर से 3जी तकनीक बंद करने की तैयारी के साथ नेपाल में पुरानी मोबाइल तकनीक से नई पीढ़ी के नेटवर्क की ओर बदलाव की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

3जी सेवा के लिए इस्तेमाल हो रही फ्रीक्वेंसी और नेटवर्क संसाधनों को 4जी सेवा की क्षमता तथा गुणवत्ता सुधारने में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे दूरसंचार कंपनियों की परिचालन लागत और नेटवर्क प्रबंधन पर भी असर पड़ेगा। हालांकि, 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद पुराने मोबाइल फोन और सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को नई तकनीक में स्थानांतरित करना दोनों कंपनियों के लिए चुनौती होगी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के ग्राहकों को बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित किए बिना यह बदलाव करना महत्वपूर्ण होगा। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के आश्विन महीने तक के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल में कुल 7 लाख 38 हजार 761 ग्राहक अभी भी 3जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें नेपाल टेलिकाम के 6 लाख 42 हजार 720 और एनसेल के 96 हजार 41 ग्राहक शामिल हैं। इसके मुकाबले देश में 4जी ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ 68 लाख 58 हजार 267 पहुंच चुकी है। इनमें नेपाल टेलिकाम के 1 करोड़ 47 लाख 14 हजार 276 और एनसेल के 1 करोड़ 21 लाख 43 हजार 991 ग्राहक शामिल हैं।

यूएई के मंत्री से मिले नेपाल के गृहमंत्री, बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना में निवेश का प्रस्ताव



काठमांडू।

नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश व्यापार मंत्री डा. थानी बिन अहमद अल जेयोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

गृहमंत्री गुरुंग के अनुसार, बैठक में बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना, कृषि एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ सुरक्षा प्रौद्योगिकी में यूएई के निवेश और सहयोग का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने बताया कि बैठक में फेसलेस पुलिसिंग, गैर-घातक सुरक्षा उपकरणों के उत्पादन, सुरक्षा एजेंसियों के आधुनिकीकरण और उन्हें तकनीक के अनुकूल बनाने जैसे विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

गृहमंत्री सुदन गुरूंग ने कहा कि नेपाल की ओर से प्रस्तावित परियोजनाओं में सहयोग को लेकर डा. थानी ने सकारात्मक तत्परता दिखाई । दरअसल, गृहमंत्री सुदन गुरूंग विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे हैं। यूएई सरकार के औपचारिक निमंत्रण पर वह दुबई में हैं।

बताया गया है कि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग, सुरक्षा प्रौद्योगिकी के विकास और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीनतम प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान उच्चस्तरीय नीतिगत चर्चा, विषयगत एवं तकनीकी सत्र, उच्चस्तरीय मुलाकातें, कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और विश्व पुलिस पुरस्कार सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस बार सम्मेलन में रक्षा एवं संकट प्रबंधन, स्वचालित रोबोट, ड्रोन एवं मानवीय क्षमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पुलिस सेवा एवं डिजिटल परिवर्तन, साइबर हमले और डिजिटल धोखाधड़ी पर नियंत्रण, क्रिप्टो लेनदेन एवं वित्तीय अपराधों की रोकथाम, अपराध अनुसंधान, खुफिया सूचना एवं आधुनिक फारेंसिक तकनीक, मादक पदार्थों एवं संगठित अपराध पर नियंत्रण, सीमा सुरक्षा एवं स्मार्ट सुरक्षा प्रणाली तथा उपग्रह सूचना एवं अंतरिक्ष सुरक्षा समेत कुल 14 विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

मध्य पूर्व में अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह



रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने मध्य पूर्व में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। दूतावास ने क्षेत्र में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से सशस्त्र हमलों का खतरा बढ़ने और अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाने की ईरान की कोशिशों को लेकर आगाह किया है। दूतावास ने चेतावनी दी कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों में पहले ही आम नागरिकों के हताहत होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उसने कहा कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका असर संबंधित क्षेत्र से कहीं आगे तक फैल सकता है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों से सुरक्षा संबंधी हालात पर नजर रखने और सतर्कता बरतने का आग्रह किया है।

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिता स्पेसएक्स का स्टारशिप राकेट पृथ्वी पर लौटा

वाशिंगटन (अमेरिका)

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिताने के बाद स्पेसएक्स का स्टारशिप राकेट वापस पृथ्वी पर लौटा। पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते समय इसने भीषण गर्मी झेली और टेक्सास गल्फ कोस्ट स्थित अपने लान्च साइट की ओर बढ़ा। आखिरी पल में राकेट सीधा खड़ा हो गया और लान्च गैंट्री पर लगी दो विशाल मैकेनिकल भुजाओं की पकड़ में आ गया।



सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पास में मौजूद स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने खुशी से तालियां बजाईं। राकेट ने अपने छह मीथेन-ईंधन वाले रैप्टर इंजनों में से तीन को फिर से चालू किया ताकि वह सीधा खड़ा हो सके। इसकी गति तेजी से कम हुई और यह लगभग हवा में स्थिर हो गया, तभी रोबोटिक भुजाओं ने इसे जकड़ लिया। इंजन बंद होने से ठीक एक पल पहले राकेट को पकड़ लिया गया।

स्पेसएक्स की कमेंटेटर जेसी एंडरसन ने कहा, यह देखना वाकई अद्भुत है! हमारी आंखों के सामने इंजीनियरिंग का एक बेहद शानदार और ऐतिहासिक कारनामा हुआ है। स्पेसएक्स की हमारी टीम और स्टारशिप प्रोग्राम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को बधाई।

आर्बिट से स्टारशिप को वापस लाने की यह पहली घटना है। इससे पहले की टेस्ट फ्लाइट्स समुद्र में उतरने के साथ खत्म होती थीं। यह स्पेसएक्स के उस लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसके तहत वे पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल होने वाला आर्बिट-क्लास राकेट विकसित कर रहे हैं। कंपनी के संस्थापक एलन मस्क का कहना है कि इससे पृथ्वी की कक्षा, चंद्रमा और भविष्य में मंगल ग्रह तक पेलोड (सामान) भेजने की लागत में भारी कमी आएगी।

स्टारशिप को टेक्सास तट पर स्थित स्पेसएक्स की स्टारबेस सुविधा से एक सुपर हैवी बूस्टर के जरिए लान्च किया गया था। 407 फीट ऊंचा यह दो-चरण वाला राकेट अब तक का सबसे शक्तिशाली लान्चर है। उड़ान भरते समय इसके पहले चरण में लगे 33 रैप्टर इंजन लगभग 16 मिलियन पाउंड का थ्रस्ट पैदा करते हैं। इस विशाल राकेट की 15वीं टेस्ट फ्लाइट से पहले स्पेसएक्स ने पिछली तीन उड़ानों में इस्तेमाल किए गए पहले चरण के बूस्टर को सफलतापूर्वक वापस हासिल कर लिया था।

बीजिंग में एक्यूआई कभी 700 पार होता था, सख्त पाबंदियों के बाद 170 पर पहुंच गया

चीन सरकार की व्यापक योजनाओं और भारी निवेश से कुछ सालों में बदल गए हालात

बीजिंग



चीन की राजधानी बीजिंग में एक्यूआई करीब 170 रहा। हालांकि हवा पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन एक समय बीजिंग की स्थिति दिल्ली जैसी ही थी। सर्दियों में एक्यूआई 700 के पार पहुंच जाता था। धुएं और धुंध के कारण इमारतें तक दिखाई नहीं देती थीं और लोगों को सांस लेने में काफी परेशानी होती थी। चीन ने सख्त नीतियों, व्यापक योजनाओं और भारी निवेश के जरिए कुछ सालों में हालात को बदल दिया।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के मुताबिक बीजिंग में प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास 1998 से शुरू हो गए थे, लेकिन निर्णायक बदलाव 2013 में आया। उस साल जनवरी में प्रदूषण का स्तर बहुत खतरनाक स्तर पर था।

विश्व बैंक के मुताबिक बीजिंग में पीएम 2.5 का 24 घंटे का औसत स्तर कुछ दिनों में 569 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था। इसके बाद सितंबर 2013 में चीन की सरकार ने वायु प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण कार्ययोजना लागू की। इसके तहत 2017 तक पीएम 2.5 के सालाना औसत स्तर में 25 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य रखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण कम करने के लिए सबसे पहले कोयले के इस्तेमाल पर लगाम लगाई गई। घरों में हीटिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कोयला आधारित बायलरों पर बैन और नियंत्रण बढ़ाया गया और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया गया। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने या दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करने के साथ कारखानों के उत्सर्जन मानक भी सख्त किए गए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

यह अभियान बीजिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि औद्योगिक प्रदूषण के प्रभाव को देखते हुए तियानजिन और हेबेई को भी इसमें शामिल किया गया। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए उत्सर्जन मानक कड़े किए गए और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों पर नियंत्रण लगाया गया। मेट्रो नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार किया गया। साइकिल और बाइक शेयरिंग को प्रोत्साहित किया गया ताकि छोटी दूरी के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल घटे। निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण और हरित क्षेत्रों के विस्तार के उपाय भी किए गए।

यूएनईपी के मुताबिक 2013 में बीजिंग का सालाना औसत पीएम 2.5 स्तर 89.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2017 में घटकर 58 माइक्रोग्राम रह गया। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में यह स्तर 30 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया।

भारी प्रदूषण वाले दिनों की संख्या भी 2013 के 58 से घटकर सालाना दो-तीन रह गई। इस अभियान पर खर्च भी बढ़ाया गया। बीजिंग का प्रदूषण नियंत्रण बजट 2013 में तीन अरब युआन से कुछ ज्यादा था, जो 2017 में बढ़कर 18 अरब युआन से ज्यादा हो गया। बीजिंग का अनुभव दिल्ली समेत दुनिया के अन्य देशों के लिए भी अहम है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती-पोतों से आज काफ़ी खुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार-मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए करार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रह हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 16 नवंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 04:21 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 02:17 तक
योग : गण्ड प्रातः 07:16 तक
करण : गर सायं 03:15 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:21 ,सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:18 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वृश्चिक संक्रांति रात्रि 07:29 से , संक्रांति पुण्यकाल दोपहर 12:33 से सूर्यास्त तक, कल्यादि तिथि अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:21 से रात्रि 02:17 तक , चातुर्मास चालू है , भद्रा रात्रि 03:18 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मलेशिया ने हैदराबाद में शिक्षा एवं शैक्षणिक पर्यटन को दिया बढ़ावा

हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मलेशिया ने हैदराबाद में उच्च शिक्षा एवं शैक्षणिक पर्यटन (एजुकेशन टूरिज्म) के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मलेशिया के प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा भारत के शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दोनों देशों के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत बनाने तथा विद्यार्थियों के लिए नए अवसर विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर चेन्नई में मलेशिया की काउंसल जनरल सुश्री ऐडा सफूरा निज़ा ओथमान, एजुकेशन मलेशिया ग्लोबल सर्विसेज (ईएमजीएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नोवी बिन ताजुद्दीन तथा टूरिज्म मलेशिया के दक्षिण, उत्तर, पूर्व भारत एवं श्रीलंका के निदेशक श्री हिशामुद्दीन बिन मुस्तफा उपस्थित थे।





नौ प्रमुख विश्वविद्यालयों ने लिया भाग

कार्यक्रम में मलेशिया के नौ प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों ने सहभागिता की। इनमें यूसीएसआई यूनिवर्सिटी, एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन मलेशिया, यूनिवर्सिटी टेनागा नैशनल, तुंकू अब्दुल रहमान यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी पेट्रोनास, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग मलेशिया, सिटी यूनिवर्सिटी मलेशिया तथा यूनिवर्सिटी ऑफ कुआलालंपुर शामिल थे। इन संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों, शैक्षणिक सलाहकारों एवं उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों को अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों तथा प्रवेश प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और किफायती फीस पर जोर

अपने संबोधन में सुश्री ऐडा सफूरा ने मलेशिया की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शैक्षणिक योग्यताओं, किफायती शुल्क तथा बहुसांस्कृतिक वातावरण की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मलेशिया में अंग्रेजी भाषा का व्यापक उपयोग अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को वहां के शैक्षणिक एवं सामाजिक वातावरण में आसानी से घुलने-मिलने में सहायता करता है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैलियों को समझने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में मलेशिया में कुल 1,59,138 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने दाखिला लिया, जिनमें भारत के 6,187 विद्यार्थी शामिल थे। मलेशिया के उच्च शिक्षा क्षेत्र में 20 सरकारी विश्वविद्यालय तथा 293 लाइसेंस प्राप्त निजी शिक्षण संस्थान हैं, जो विभिन्न विषयों में व्यापक शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराते हैं।

काउंसल जनरल ने वर्ष 2015 में शुरू की गई मलेशिया की शैक्षणिक पर्यटन पहल के बारे में भी जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा को सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं पर्यटन के साथ जोड़ना है। वर्ष 2015 में टूरिज्म मलेशिया ने नौ सरकारी विश्वविद्यालयों के सहयोग से 149 शैक्षणिक पर्यटन पैकेज प्रस्तुत किए थे।

इसके बाद वर्ष 2024 में एजु प्लस (ईडीयू+) कार्यक्रम शुरू किया गया। इसमें अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण, खेल, संस्कृति एवं विरासत, होमस्टे, प्रकृति एवं साहसिक गतिविधियां तथा पर्यावरणीय स्थिरता जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है। इन पहलों के माध्यम से भारतीय स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों को मलेशिया में शैक्षणिक यात्राएं, भाषा प्रशिक्षण शिविर, छात्र विनिमय कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक अनुभव आधारित गतिविधियां आयोजित करने के अवसर मिलेंगे। सुश्री ऐडा ने भारतीय शैक्षणिक संस्थानों एवं यात्रा क्षेत्र से जुड़े भागीदारों से मलेशियाई संस्थानों के साथ मिलकर पारस्परिक लाभकारी कार्यक्रम विकसित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में बताया गया कि एजुकेशन मलेशिया ग्लोबल सर्विसेज (ईएमजीएस) अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के आवेदन तथा स्टूडेंट पास संबंधी प्रक्रियाओं में सहायता प्रदान करता है, जबकि टूरिज्म मलेशिया शैक्षणिक यात्राओं के साथ-साथ देश के पर्यटन एवं सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने का कार्य करता है।

श्री हिशामुद्दीन बिन मुस्तफा ने कहा कि शैक्षणिक पर्यटन के माध्यम से विद्यार्थियों के समूहों, युवा यात्रियों तथा परिवारों को मलेशिया की ओर आकर्षित किया जा सकता है। इससे भारत और मलेशिया के बीच जनसंपर्क एवं आपसी संबंध भी और मजबूत होंगे। टूरिज्म मलेशिया, ईएमजीएस, विश्वविद्यालयों, विमानन कंपनियों तथा भारतीय भागीदारों के साथ मिलकर इन अवसरों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेगा।

विजिट मलेशिया 2026-2027 अभियान का हिस्सा

यह कार्यक्रम मलेशिया के व्यापक पर्यटन प्रचार अभियान मविजिट मलेशिया 2026-2027फ का हिस्सा है। भारत मलेशिया के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। दोनों देशों के बीच शैक्षणिक पर्यटन, यात्रा तथा उद्योग जगत के संबंधों को और मजबूत बनाने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

मलेशिया और भारत के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं जनसंपर्क संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के माध्यम से मलेशिया भारतीय विद्यार्थियों एवं पर्यटकों का स्वागत कर रहा है, ताकि वे वहां की विविध संस्कृति का अनुभव करने के साथ-साथ शिक्षा, पर्यटन और रोजगार से जुड़े नए अवसरों की खोज कर सकें।

डॉ. ऋषि कुमार शर्मा को राष्ट्रीय सम्मान



उदयपुर, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिकित्सा जगत में उदयपुर के लिए गौरव का विषय है कि शहर के प्रतिष्ठित श्वसन रोग विशेषज्ञ एवं गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के श्वसन चिकित्सा विभाग के आचार्य डॉ. ऋषि कुमार शर्मा को देश की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन चेस्ट सोसायटी द्वारा ङ्कफेलो ऑफ इंडियन चेस्ट सोसायटीफ (एफआईसीएस) की मानद फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान कोलकाता में आयोजित श्वसन रोगों के राष्ट्रीय सम्मेलन नैपकॉन-2026 के दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया।

इंडियन चेस्ट सोसायटी देश में श्वसन रोग चिकित्सा के क्षेत्र की प्रमुख व्यावसायिक एवं वैज्ञानिक संस्थाओं में से एक है। संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली एफआईसीएस फेलोशिप चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान, पेशेवर उपलब्धियों, विशेषज्ञता तथा चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण की मान्यता का प्रतीक है। डॉ. शर्मा को यह सम्मान श्वसन रोगों के उपचार, चिकित्सा शिक्षा तथा इस क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान और सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है।

डॉ. ऋषि कुमार शर्मा वर्तमान में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में श्वसन चिकित्सा विभाग में आचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

उन्हें श्वसन रोग चिकित्सा के क्षेत्र में लगभग 17 वर्षों का अनुभव है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार के श्वसन एवं फेफड़ों से संबंधित रोगों के निदान और उपचार के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनका व्यावसायिक जीवन चिकित्सा के प्रति समर्पण, निरंतर अध्ययन तथा रोगियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डॉ. ऋषि कुमार शर्मा की इस उपलब्धि से उनके परिवार, शुभचिंतकों एवं चिकित्सा जगत में हर्ष का वातावरण है। उनकी पत्नी डॉ. नलिनी शर्मा गीतांजलि हॉस्पिटल में स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ (स्त्री रोग विशेषज्ञ) के रूप में अपनी सेवाएँ दे रही हैं।

पवानी मुनींद्र बाबू बने जिला संयोजक

राष्ट्रीय सैनिक संस्था ने हैदराबाद और ओंगोल की सौंपी जिम्मेदारी, सदस्यता विस्तार पर दिया जोर

हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के दक्षिण भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) ने डॉ. (मानद) पवानी मुनींद्र बाबू को राष्ट्रीय सैनिक संस्था का हैदराबाद (तेलंगाना) एवं ओंगोल (आंध्र प्रदेश) का जिला संयोजक नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति दक्षिण भारत मुख्यालय स्थित राष्ट्रीय सैनिक संस्था के कार्यालय, नंदिराजुस आनंद निलयम, डिफेंस कॉलोनी, सिकंदराबाद में की गई।

इस अवसर पर मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) ने नवनियुक्त जिला संयोजक को संस्था की जिम्मेदारियों एवं उनसे जुड़ी अपेक्षाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने डॉ. (मानद) पवानी मुनींद्र बाबू से संस्था की सदस्य संख्या बढ़ाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था पूर्व सैनिकों एवं देशभक्त नागरिकों को एक मंच पर लाकर राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाली संस्था है। संस्था के व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता एवं सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।



राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित संगठन

राष्ट्रीय सैनिक संस्था पूर्व सैनिकों एवं देशभक्त नागरिकों का एक राष्ट्रीय संगठन है। यह संगठन पूर्व सैनिकों के अनुशासन, अनुभव, समर्पण एवं सेवा भावना का उपयोग राष्ट्र के विकास और निर्माण के कार्यों में करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था का उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है।

किनवट में जनजातीय गौरव दिवस की धूम



भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम,

विधायक भीमराव केराम ने किया पुष्पांजलि अर्पित

किनवट, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धरती आबा एवं महान क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर किनवट शहर में जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न स्थानों पर जयंती समारोह आयोजित किए गए। इस दौरान आदिवासी संस्कृति, परंपराओं तथा भगवान बिरसा मुंडा के विचारों एवं आदर्शों का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर विधायक भीमराव केराम, सहायक जिलाधिकारी बी. सरवनन सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शहर में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भीमराव केराम ने कहा कि अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समावेशी विकास, सामाजिक सुरक्षा, शैक्षणिक उन्नति तथा आदिवासी पहचान एवं संस्कृति के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान एवं सम्मान दिलाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा भी अनुसूचित जनजातियों के सर्वांगीण विकास तथा उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करने तथा जनजातीय सम्मान, मूल पहचान, सांस्कृतिक संरक्षण एवं विकास को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर सुबह शहर में उनकी प्रतिमा पर विधायक भीमराव केराम, सहायक जिलाधिकारी बी. सरवनन, डॉ. उत्तम धुमाले, यशवंत जाधव, तुकाराम पेंदोर, दत्ता आडे, पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, उमाकांत कराले, स्वागत आयेनेनिवार, पार्षद संतोष मरस्कोल्हे, उत्तम कानिदे एवं बालाजी सिरसाट सहित अधिकारियों, नागरिकों, महिलाओं तथा आदिवासी समाज के युवाओं ने पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया।

इसी क्रम में राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के किनवट आगार में भी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। यहां विधायक भीमराव केराम ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पूर्व नगराध्यक्ष साजिद खान, कृषि उपज मंडी समिति (कृउबा) के संचालक बालाजी बामणे, पूर्व नगराध्यक्ष के मूर्ति अण्णा, आनंद मच्छेवार, संतोष मरस्कोल्हे, शिलरतन ढगे, रवि डोंगर, गंगय्या सटलावार, सीताराम कुमरे, राजू समर्थवाड, नेमानीवार, भिसे, धनवे, पेंदोर, सागर एवं बुरकुले सहित महामंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान, आदिवासी समाज के अधिकारों तथा सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के उनके संदेश को याद किया गया।

सेवा केवल अन्नदान नहीं, मानवता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का संकल्प है : सोहनलाल दाहिमा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सोहनलाल दाहिमा ने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद को भोजन करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति अपने कर्तव्य, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने का एक सशक्त माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता ऐसे लोगों की है, जो केवल अपने परिवार और स्वयं तक सीमित न रहकर दूसरों के दुख-दर्द को भी समझें। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह भावना जागृत हो जाएगी कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना भी उसका अपना दायित्व है, उस दिन समाज में सकारात्मक परिवर्तन अपने आप दिखाई देने लगेगा। सेवा के लिए धन-संपत्ति या बड़े पद की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि एक संवेदनशील हृदय, सहयोग की भावना और दूसरों के प्रति अपनत्व होना जरूरी है। राधे-राधे ग्रुप इसी विचारधारा को अपने नियमित सेवा कार्यों के माध्यम से साकार कर रहा है।

सोहनलाल दाहिमा ने कहा कि इस ग्रुप से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह प्रत्यक्ष रूप से सेवा कर रहा हो अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अपना सहयोग प्रदान कर रहा हो, वास्तव में एक सराहनीय कार्य कर रहा है।

यहां प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी बड़े सेवा अभियान की सफलता सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग से ही संभव होती है। राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना सीखनी हो तो राधे-राधे ग्रुप से सीखनी चाहिए। सुरेश जी सिंघल के माध्यम से उन्हें इस सेवा परिवार से जुड़ने का अवसर मिला और इसके लिए वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल की सराहना करते हुए कहा कि इन सभी की सेवा के प्रति निष्ठा, लगन और समर्पण देखकर समाज के अनेक लोग प्रेरित हो रहे हैं। इनके प्रयासों से सेवा की एक ऐसी परंपरा विकसित हो रही है, जिसमें व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज के लिए योगदान दे सकता है।

यह केवल कुछ लोगों का प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक मानवता और सामाजिक चेतना का एक सुंदर उदाहरण है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमनलता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, सुशील गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, ई-जगन चंपापेट, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, बिमल किशोर सांघी, नयन अग्रवाल, भगत राम गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं



वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय



घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाडू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाडू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां



नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।



मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत



मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पति:

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुन: नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूप:

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्व:

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा।इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजन: शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

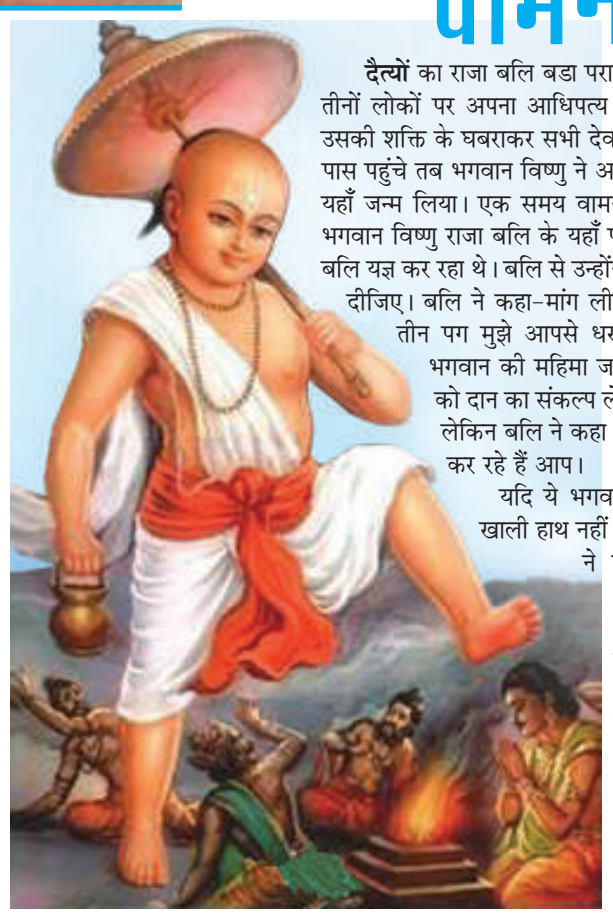
कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय बिताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की दिक्षण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।



क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म



दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा-मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्रचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

5 इशारे, अगर ऐसा हो तो समझ जाइए कि

आप प्रमोशन पाने के बेहद करीब हैं

जॉब के दौरान यह समझना बेहद जरूरी है कि ऑफिस में आपकी अहमियत कितनी है? आपको महत्व दिया जा रहा है या नहीं? और इसी के आधार पर आप तय कर पाएंगे कि आप तरक्की की राह पर हैं या नहीं. यहां हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे संकेतों के बारे में जिनके दिखने पर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप सही जा रहे हैं...



1. और जिम्मेदारियों का मिलना

अगर ऑफिस में आपको नई-नई जिम्मेदारियां मिल रही हैं तो समझिए कि आपको उस लायक समझा गया है. बॉस देखना चाहते हैं कि आप उस टास्क को कितनी कुशलता और काबिलियत के साथ हैंडल करते हैं. आपके लिए भी यह अच्छा होगा कि आप नई चुनौतियों को सहर्ष स्वीकार करें।

2. आपको अहम मीटिंग्स में बुलाया जाने लगा हो

अगर आपको अचानक टीम व ऑफिस की अहम मीटिंग्स में बुलाया जाने लगा हो तो समझिए कि उच्च पदों पर बैठे लोग आपसे आइडियाज की उम्मीद कर रहे हैं. उन्हें ये लगने लगा है कि बड़े फैसलों में आपकी राय ली जानी चाहिए और वहां आपकी मौजूदगी व योगदान जरूरी है. आपको इन अवसरों का लाभ जरूर उठाना चाहिए.

3. नेतृत्व करने के लिए कहा जाने लगा हो

अभी तक आप प्रोजेक्ट्स का हिस्सा होते थे, लेकिन अचानक आपको विभिन्न प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व करने के लिए कहा जाने लगा हो तो समझ जाइए अब आपका रोल ऑफिस के अहम हो गया है. पिछली परफॉर्मेंस देखने के बाद कंपनी आपसे यह उम्मीद कर रही है कि आपकी अगुवाई में वह प्रोजेक्ट कामयाब होगा. इससे यह भी दिखता है कि कंपनी का मैनेजमेंट आपको नोटिस कर रहा है. जाहिर है प्रमोशन पक्की है!

4. आपके बॉस को प्रमोशन मिला हो

आपके इमिडिएट बॉस का प्रमोशन होने से जिम्मेदारियों का कुछ स्पेस बनेगा. अगर आपको यह जिम्मेदारियां दी जाती है तो समझ जाइए कि मंजिल दूर नहीं. आपको भी चाहिए कि उन दायित्वों को निभाने के लिए आप हमेशा तैयार रहें.

5. आपको जूनियर को ट्रेनिंग देने के लिए कहा गया हो

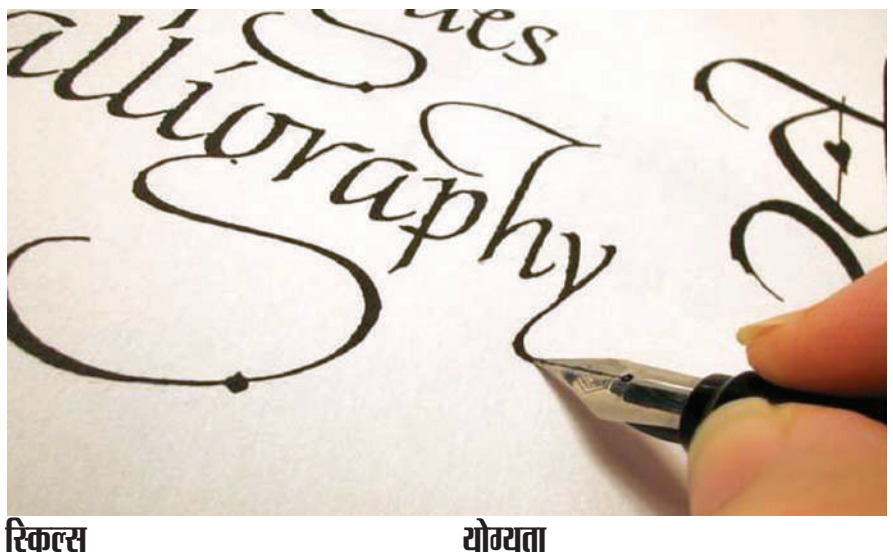
अगर आपको कहा जा रहा है कि आप अपने सबॉर्डिनेट या जूनियर कर्मचारी को काम सिखाएं तो यह इस बात का संकेत हैं कि आपको और बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं. इसके अलावा अगर बॉस को आपके साथ काम करना अच्छा लगता है और ऑफिस में हर कोई आपके काम की तारीफ करता है तो समझिए आप प्रमोशन पाने के बेहद करीब हैं.

कालिग्राफी है अलग व स्टाइलिश कॅरियर विकल्प

जब कोई बच्चा स्कूल जाने लगता है तो शुरू से ही टीचर इस बात पर ध्यान देती है कि बच्चे द्वारा लिखा गया हर एक शब्द बेहद खूबसूरत हो। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि जैसे?जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, उनका ध्यान अपनी हैंडराइटिंग से हटने लगता है। शायद आपको पता न हो लेकिन अगर आप सुंदर लिखने की क्षमता रखते हैं तो सिर्फ अपनी हैंडराइटिंग के दम पर ही एक बेहद उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। विभिन्न स्टाइल व रचनात्मक तरीकों से शब्दों को लिखने के इस अनूठे कॅरियर विकल्प को कालिग्राफी के नाम से जाना जाता है। यह एकदम अलग व स्टाइलिश कॅरियर विकल्प है।

समझें कालिग्राफी को

कालिग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लेखन के विभिन्न टूल्स का प्रयोग करके शब्दों व संकेतों को अलग तरीके से निखारा जाता है। दूसरे शब्दों में, इसे कालिग्राफी विजुअल आर्ट कहा जा सकता है। तकनीकी के इस युग में लोग मानते हैं कि कंप्यूटर के अत्यधिक प्रयोग के कारण कालिग्राफी की कला को काफी नुकसान हुआ है। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। कालिग्राफी सदियों से अस्तित्व में है तथा यह आज भी प्रासंगिक है। यह एक समृद्ध विरासत है तथा यह डिजिटल मीडिया द्वारा भी अडैप्टड किया जा रहा है। मॉडर्न कालिग्राफी में टाइपोग्राफी व नॉन?क्लासिकल हैंड लेटरिंग आदि का भी अभ्यास किया जाता है। इसलिए अब कालिग्राफर पेन बेस्ड व कंप्यूटर बेस्ड वेरियशन के जरिए फॉन्ट डिजाइन, डेस्कटॉप वॉलपेपर, मैन्युस्क्रिप्ट डिजाइन, होर्डिंग डिजाइन, साइनबोर्डस, पेकेजिंग डिजाइन, फाइन आर्टस आदि में भी कार्य करते हैं।



स्किल्स

एक बेहतरीन कालिग्राफर बनने के लिए आपका कलात्मक व रचनात्मक दिमाग होना बेहद आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आपको शब्दों, चित्रों व रूपांकनों से प्रेम भी होना चाहिए व उन्हें अपनी कलात्मकता व कल्पनाशीलता का प्रयोग कर हर दिन एक नया स्वरूप देने की इच्छा व क्षमता भी होनी चाहिए। एक कालिग्राफर में सौंदर्य बोध के अतिरिक्त कलात्मक संतुलन का अद्भुत मिश्रण होता है। इस क्षेत्र में अपने कौशल को सुधारने के लिए धैर्य व कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। इसलिए आपके भीतर एकाग्रता व दृढ़ संकल्प भी होना चाहिए ताकि आप अपने क्षेत्र में निपुण हो सकें।

योग्यता

वैसे तो भारत में कालिग्राफी के लिए कोई अलग से कोर्स उपलब्ध नहीं है लेकिन फाइन आर्ट्स के स्टूडेंटस कुछ शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए कालिग्राफी के बेसिक्स जैसे स्क्रिप्ट, स्टाइल्स, फान्ट्स, टेक्निक व मेथड्स सीख सकते हैं।

संभावनाएं

आप ग्रीटिंग कार्डस, इनविटेशन, घोषणाओं, प्रमाण पत्र, बिजनेस कार्डस, मोनोग्राम्स, पोस्टर्स, मोटिवेशनल आर्ट प्रिंटस व मैगजीन व फिल्म के टाइटल्स में अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप पेंटिंग्स, मैप, लीगल डाक्यूमेंट, सिरेमिक, स्मारक दस्तावेज और अन्य हैंडमेड प्रस्तुतियों में भी काम कर सकते हैं। आप चाहें तो किसी टैटू आर्टिस्ट के साथ मिलकर बॉडी आर्ट डिजाइनिंग में भी अपना योगदान दे सकते हैं। आप किसी ग्रीटिंग कार्ड कंपनी, पब्लिशिंग हाउस, प्रिंटिंग शॉप्स व वेडिंग प्लानर्स के साथ जुड़कर जॉब कर सकते हैं या फिर बतौर फ्रीलांसर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप अपना खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

कमाई

इस क्षेत्र में आपकी आमदनी आपको मिलने वाले प्रोजेक्ट व आपकी लेखन क्षमता पर निर्भर करती है। लेकिन फिर भी आप शुरूआती दौर में 15000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्टस, नई दिल्ली
http://ignca.nic.in/
कालिग्राफी इंडिया, विभिन्न केन्द्र
http://www.calligraphyindia.com/
अच्युत पल्लव स्कूल ऑफ कालिग्राफी, मुम्बई
http://www.apsc.net.in/
राइट राइट, इंदौर
http://www.writerightindia.com/
श्री योगेश्वरी इंस्टीटयूट ऑफ हैंडराइटिंग, बैंगलोर

म्यूजिक थेरेपिस्ट के तौर पर भी बना सकते हैं कॅरियर

कहते हैं संगीत में ऐसी ताकत होती है जो मन की उदासी को दूर कर सकता है। साथ ही संगीत कई तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकता है। अगर आपको भी संगीत से प्यार है और आप अपने इस गुण का इस्तेमाल करके लोगों की मदद करना चाहते हैं तो बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट अपना एक उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। एक म्यूजिक थेरेपिस्ट संगीत में छिपी ताकत का इस्तेमाल करके कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का काम करता है।

क्या होता है काम

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट फिजिकल, डेवलपमेंट व मानसिक रूप से अशक्त लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं। इतना ही नहीं, कभी?कभी वे जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के भीतर भी जीने की एक नई आशा उत्पन्न करते हैं। वे मेडिकल टीम के साथ मिलकर लोगों को उनकी बीमारियों से उबरने में मदद करते हैं। जहां मेडिकल टीम ट्रीटमेंट पर जोर देती है, वहीं म्यूजिक थेरेपिस्ट पेशेंट पर अपना फोकस करते हैं और उन्हें शारीरिक व मानसिक



रूप से बेहतर बनाने के लिए कार्य करते हैं। साथ ही वे संज्ञानात्मक व व्यवहार में बदलाव तकनीक के माध्यम से न सिर्फ रोगी के मन में एक पॉजिटिव एटीटयूट का निर्माण करते हैं, बल्कि शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम लोगों को स्वयं की अभिव्यक्ति करना भी सिखाते हैं।

स्किल्स : चूंकि एक म्यूजिक थेरेपिस्ट का कार्य मानव सेवा से जुड़ा हुआ है, इसलिए एक बेहतर म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने के लिए आपके भीतर मानव सेवा का जज्बा, उनके प्रति केयर व उनकी भावनाओं को समझने की क्षमता होनी चाहिए। सहानुभूति, धैर्य, क्रिएटिविटी, कल्पना, नए विचारों को स्वीकारना और स्वयं की समझ भी इस क्षेत्र के लिए कुछ आवश्यक योग्यताएं हैं। साथ ही आपको अपने कार्य को अंजाम देने के लिए संगीत का सहारा लेना पड़ता है, इसलिए आपको संगीत को समझने की क्षमता, विभिन्न संगीत शैलियों का ज्ञान व उसका बेहतर तरीके से इस्तेमाल भी करना आना चाहिए। कभी?कभी आपको अपने क्लाइंट को न सिर्फ बोलकर बल्कि लिखकर भी बातों को समझाना पड़ता है, इसलिए आपके भीतर भाषण व लेखन पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दूसरे अर्थों में कहा जाए तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स काफी अच्छी होनी चाहिए तभी आप अलग?अलग प्रकार के लोगों को अच्छे से डील करके उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। आपके भीतर हर उम्र, हर कल्चर व पृष्ठभूमि के लोगों से स्वयं को रिलेट करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

योग्यता : जहां विदेशों में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए बैचलर डिग्री व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर भी कोर्सेस अवेलेबल हैं। साथ ही वहां पर छात्रों को द सर्टिफिकेशन बोर्ड ऑफ म्यूजिक थेरेपिस्ट द्वारा मान्यता भी प्रदान की जाती है। वहीं, भारत में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कोर्स बेहद कम उपलब्ध है।

संभावनाएं

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट चिकित्सा और मनोरोग अस्पतालों, रिहेबिलिटेशन सेंटर के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे बहुत से एनजीओ व संस्थाएं हैं जो विभिन्न शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों की मदद करते हैं, उन्हें भी हमेशा ऐसे थेरेपिस्ट की आवश्यकता होती है। साथ ही म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड हमेशा नेशनल हेल्थ सर्विस टस्ट, स्पेशल स्कूल्स, कम्युनिटी मेंटल हेल्थ एंजेसी, जेलों, डग व एल्कोहल रिहेबिलिटेशन सेंटर आदि में हमेशा ही बनी रहती है, आप वहां भी नौकरी की तलाश कर सकते हैं। वैसे कई म्यूजिक थेरेपिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिशनर के तौर पर भी काम करते हैं। कहीं-कहीं पर थेरेपिस्ट रोगी के घर पर जाकर भी उनकी मदद करते हैं। आप चाहें तो किसी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान में बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट टीचर बनकर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। चूंकि म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी है, इसलिए आप चाहें तो विदेशों में भी अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

हताशा के कोहरे में ढांढस बंधाएंगी प्रेमचंद की ये 10 बातें...



माना की प्रेमचंद का साहित्य लेखन आज से सालों पहले हुआ, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि उनकी रचनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी की लेखन काल में रही होंगी.चाहे बात किसी गृहणी की हो, किसी किशोर की हो, किसी युवा होती महिला की हो, किसी छात्र मन ही हो या फिर नौकरी और राजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों में लगे किसी नौकरी पेशा की. प्रेमचंद ने सभी के लिए कुछ न कुछ संदेश दिए. उनके उपन्यासों के प्रेमचंद के प्रशंसक और पाठक गीता की तरह मानते हैं ये कहना अतिश्योक्ति तो नहीं...

चलिए आज नजर डालते हैं प्रेमचंद के उन 10 कथनों पर जो आपको उन हालातों में हौंसला देने का काम करेंगे, जब आप अपने करियर और नौकरी की जद्दोजहद में लगे हों...

चापलूसी का जहरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुंचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएं.

■ कार्यकुशल व्यक्ति की सभी जगह जरुरत पड़ती है.

■ खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है, जीवन नाम है, आगे बढ़ते रहने की लगन का.

■ आत्म सम्मान की रक्षा, हमारा सबसे पहला धर्म है.

■ यश त्याग से मिलता है, धोखाधड़ी से नहीं.

■ नमस्कार करने वाला व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण करता है और समाज में सभी के प्रेम का पात्र बन जाता है.

■ कर्तव्य कभी आग और पानी की परवाह नहीं करता. कर्तव्य-पालन में ही चित्त की शांति है.

■ केवल बुद्धि के द्वारा ही मानव का मनुष्यत्व प्रकट होता है.

■ अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे.

■ सौभाग्य उन्हीं को प्राप्त होता है, जो अपने कर्तव्य पथ पर अविचल रहते हैं.

यह 11वीं और अंतिम बात शायद ढांढस तो न बंधाए, पर एक मुस्कान जरूर ला सकती है नौकरीपेशा लोगों के चेहरे पर...

''मासिक वेतन पूरनमासी का चांद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है.''

देखिए किस तरह फायदे का सौदा है किताबें पढ़ना

किताबों से हमारा नाता बचपन से ही शुरू हो जाता है। बड़े-बड़े चित्रों से सजी कहानी की किताबें, फिर स्कूल की किताबें...। उस समय से ही हम किताबों के महत्व के बारे में जानने लगते हैं। कोर्स की पुस्तकों से इतर किताबें

आपकी बेहतरीन साथी साबित होती हैं और जीवन की एकरसता को तोड़ती हैं। मनोरंजन का साधन व स्ट्रेस बस्टर कोई अच्छी कहानी पढ़ते वक्त आप उसमें इस कदर खो जाते हैं कि पढ़ाई का सारा तनाव कुछ देर के लिए भूल जाते हैं। इससे आपका दिमाग तरो-ताजा हो जाता है। जब आप किसी असफलता से दुखी हों या आपके मन में नकारात्मक विचार आ रहे हों, तो किताबें आपका हौसला बढ़ाती हैं।

दिमाग को रखती हैं स्वस्थ : अच्छी किताबें पढ़ना आपके दिमाग के लिए अच्छी कसरत साबित होता है। यदि आप कोई नॉवेल भी पढ़ रहे हैं, तो आपको उसके विभिन्ना किरदारों, उनकी पृष्ठभूमियों, उनके अतीत व कहानी के तमाम सब-प्लॉट्स को याद रखना पड़ता है। यह दिमागी कसरत आपकी पढ़ाई में भी बड़ा फायदा देती है।



वर्बल स्किल्स में निखार : किताबें पढ़ने से आप लगातार अनेक नए शब्द सीखते चलते हैं। फिर आप अपने विचारों को बेहतर ढंग से पेश कर सकते हैं। इससे आपको उन परीक्षाओं में मदद मिल सकती है, जिनमें लैंग्वेज स्किल्स आंकी जाती हैं। साथ ही ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू में भी आप सबको प्रभावित कर सकते हैं।

बेहतर वक्ता बनने में मदद : पुस्तकें पढ़ने से आपको व्यापक शोध तथा विश्लेषण प्राप्त होता है। ज्ञान के इस भंडार की सहायता से आप विभिन्ना वर्गों व क्षेत्रों के लोगों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर सकते हैं। यदि आप किसी ऐसी फील्ड में करियर बनाने जा रहे हैं, जिसमें लोगों से संपर्क और संवाद स्थापित करना होता है, तो किताबें आपकी मदद करेंगीं।

एकाग्रता में सुधार : किताब पढ़ना ध्यान लगाने के समान होता है। आप दुनिया से कटकर पूरी तरह किताब में डूब जाते हैं। इससे आप फोकस करना और एकाग्रचित्त होना सीखते हैं।

संपादकीय

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े, आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो, लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है। एक आम उपभोक्ता के लिये बढ़ती महंगाई के मायने जरूरी चीजों पर खर्च कम करना हो सकता है। ऐसे में कीमतों को स्थिर रखने की जरूरत और भी बढ़ जाती है। कालाबाजारी करने वालों और कृत्रिम रूप से महंगाई बढ़ाने वाले तत्वों पर नकेल कसना बेहद जरूरी है। आज की बदलती स्थिति पर नजर रखने और लोगों का बोझ कम करने के लिये आपातकालीन कदम उठाने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही सरकार के लिये भी जरूरी है कि वह मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिये प्रशासनिक व मौद्रिक उपायों की दिशा में आगे बढ़े।

चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है।

युवा यह कह रहे हैं कि आध्यात्मिकता चाहिए, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति उनकी भाषा और उनके समय के अनुरूप भी हो सकती है

भजन क्लबिंगः भक्ति की क्लब संस्कृति की नई दस्तक

अध्यात्म अब केवल उम्र के आखिरी पड़ाव की चीज नहीं रहा। वह युवाओं की धड़कनों में शामिल हो रहा है। डिजिटल युग की भागदौड़, अकेलेपन, तनाव और निरंतर स्क्रीन-उपस्थिति के बीच नई पीढ़ी भक्ति के ऐसे रूप तलाश रही है, जो उसके जीवन की गति और उसकी अभिव्यक्ति से जुड़ सकें। इसी बदलते सामाजिक परिदृश्य में 'भजन क्लबिंग' एक नई और रोचक सांस्कृतिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आई है। भजन क्लबिंग का अर्थ है-भजन, कीर्तन और भक्ति-संगीत को पारंपरिक धार्मिक आयोजन की सीमाओं से बाहर निकालकर ऐसे सामूहिक वातावरण में प्रस्तुत करना, जहाँ युवा गाते हैं, झूमते हैं, नृत्य करते हैं और संगीत की लय में स्वयं को विसर्जित करते हैं। वातावरण में आधुनिक संगीत की ऊर्जा होती है, लेकिन केंद्र में भक्ति रहती है। इसे एक तरह से क्लब की ऊर्जा और सत्संग की आत्मीयता का संगम कहा जा सकता है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से यह धारणा रही है कि धर्म और अध्यात्म वृद्ध पीढ़ी के विषय हैं। नई पीढ़ी आधुनिकता, तर्क और तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुए धार्मिक अनुष्ठानों से दूरी बना रही है। लेकिन भजन क्लबिंग का उभार इस धारणा को चुनौती देता दिखाई दे रहा है। युवा यह कह रहे हैं कि आध्यात्मिकता चाहिए, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति उनकी भाषा और उनके समय के अनुरूप भी हो सकती है। भारत में क्लब संस्कृति का विकास मुख्यतः मनोरंजन, संगीत, नृत्य और सामाजिक मेल-जोल के माध्यम के रूप में हुआ। देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों में तेज संगीत, चमकती रोशनी और आधुनिक जीवनशैली का प्रभाव दिखाई देता रहा। अब उसी सामाजिक ढाँचे में भक्ति का प्रवेश अपने आप में सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। भजन क्लबिंग में सामान्यतः शराब, धूम्रपान और नशीले पदार्थों के स्थान पर भक्ति-संगीत, सामूहिक गायन और सकारात्मक ऊर्जा को महत्व दिया जाता है। यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। युवा यदि रात के समय मनोरंजन के लिए बाहर निकलते हैं तो उन्हें ऐसा विकल्प मिलना, जहाँ आनंद के साथ आत्मिक जुड़ाव भी हो, निश्चित रूप से विचारणीय है। इसमें एक और महत्वपूर्ण पक्ष है-सामूहिकता। सोशल मीडिया ने लोगों को आभासी रूप से जोड़ दिया है, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ा है। हजारों डिजिटल मित्रों के बावजूद मनुष्य कई बार स्वयं को अकेला पाता है। भजन क्लब में अनजान लोग भी एक स्वर में गाते हैं। कुछ समय के लिए मोबाइल दूर होता है और मनुष्य मनुष्य के निकट आता है। यह अनुभव मानसिक स्तर पर भी राहत दे सकता है। आज का युवा केवल उपदेश सुनना नहीं चाहता, वह अनुभव करना चाहता है। वह किसी बात को इसलिए स्वीकार नहीं करता कि परंपरा ऐसा कहती है। वह जानना चाहता है-इससे मुझे क्या मिलेगा? भजन क्लबिंग इसी प्रश्न का एक व्यावहारिक उत्तर देती प्रतीत होती है। संगीत मनुष्य की भावनाओं को सीधे प्रभावित करता है। सामूहिक गायन में व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत सीमाओं से ऊपर उठकर समूह का हिस्सा बन जाता है। जब सैकड़ों लोग एक साथ 'राम', 'महावीर', 'शिव', 'कृष्ण' या किसी अन्य आराध्य का स्मरण करते हैं तो वातावरण में सामूहिक ऊर्जा पैदा होती है। जैन दृष्टि से देखें तो भक्ति का मूल उद्देश्य केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि आत्मा की ओर यात्रा है। नवकार मंत्र, स्तवन, भक्तामर, मंगल पाठ या तीर्थंकरों की स्तुति यदि संगीत के माध्यम से युवा मन तक पहुँचती है तो यह स्वागतयोग्य प्रयोग हो सकता है-बशर्ते भक्ति मनोरंजन में विलीन न हो जाए। यहीं इस पूरी प्रवृत्ति की सबसे बड़ी कसौटी है। भारत के सार्वजनिक जीवन में भी पिछले कुछ वर्षों में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक चेतना की सार्वजनिक अभिव्यक्ति अधिक दिखाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक राष्ट्रीय नेता और सार्वजनिक व्यक्तित्व भारतीय परंपरा, योग, ध्यान, मंदिरों, तीर्थों, भक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देते हैं। इससे नई पीढ़ी के बीच यह संदेश गया है कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता परस्पर विरोधी नहीं हैं। लेकिन यहाँ यह भी समझना होगा कि किसी राजनीतिक या लोकप्रिय व्यक्तित्व की उपस्थिति किसी आध्यात्मिक प्रवृत्ति की सफलता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकती। किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके चरित्र-निर्माण और सामाजिक प्रभाव में होती है। यदि भजन क्लबिंग युवाओं को नशे से दूर करती है, मानसिक तनाव कम करती है, परिवार से जोड़ती है, सेवा की प्रेरणा देती है और जीवन में संयम पैदा करती है, तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी। हर नई लोकप्रिय प्रवृत्ति के साथ कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भक्ति धीरे-धीरे केवल एक फैशनेबल इवेंट बनकर रह जाए। यदि उद्देश्य आत्मिक शांति के बजाय केवल तेज संगीत, रोशनी, नृत्य और मनोरंजन रह गया तो भजन क्लबिंग और सामान्य क्लब संस्कृति के बीच अंतर धीरे-धीरे समाप्त हो सकता है। दूसरा खतरा व्यावसायीकरण का है। यदि भक्ति के नाम पर महंगे टिकट, प्रायोजक, ब्रांडिंग और दिखावे की संस्कृति हावी हो गई तो आध्यात्मिकता बाजार की वस्तु बन सकती है। तीसरा खतरा किसी व्यक्ति, समूह या शैली के प्रति अंधानुकरण का है। समुदाय बनाना अच्छी बात है, लेकिन समुदाय यदि विचार-विमर्श के बजाय अंध-समर्पण पैदा करने लगे तो वह स्वस्थ आध्यात्मिकता नहीं रह जाता। चौथा प्रश्न संगीत की तीव्रता का है। आध्यात्मिकता का अर्थ हमेशा धीमा संगीत नहीं है और तेज संगीत अपने आप में आध्यात्मिकता-विरोधी भी नहीं है। भक्ति परंपरा में नृत्य, कीर्तन और उत्सव का अपना स्थान रहा है। लेकिन यदि ध्वनि इतनी तीव्र हो जाए कि मन भीतर की ओर जाने के बजाय उत्तेजना में उलझ जाए, तो मूल उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है। इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है कि अध्यात्म बाहरी अभिव्यक्ति से आगे की यात्रा है। भजन क्लब में दो घंटे झूमना अच्छी अनुभूति दे सकता है, लेकिन उसका वास्तविक मूल्य तब होगा जब उस अनुभव का असर अगले दिन के जीवन में दिखाई दे। प्रश्न है कि इस भजन-संस्कृति में डूबने से क्या युवा अधिक संयमी हुआ? क्या उसके व्यवहार में करुणा बढ़ी? क्या वह माता-पिता के प्रति अधिक सम्मानशील हुआ? क्या वह नशे से दूर हुआ? क्या उसके भीतर सेवा की भावना पैदा हुई? क्या क्रोध कम हुआ? क्या वह प्रकृति और समाज के प्रति संवेदनशील हुआ? यदि इन प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' में हैं, तो भजन क्लबिंग केवल मनोरंजन नहीं, आध्यात्मिक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकती है। आने वाले वर्षों में भजन क्लबिंग का विस्तार निश्चित रूप से नए रूपों में हो सकता है। मंदिरों, आध्यात्मिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और युवा संगठनों द्वारा संगीत, ध्यान, योग, संवाद और सेवा को जोड़कर नए कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए एक स्पष्ट सूत्र होना चाहिए-"आधुनिक प्रस्तुति हो, लेकिन आध्यात्मिक मूल्यों से समझौता न हो।"



डिजिटल युग की भागदौड़, अकेलेपन, तनाव और निरंतर स्क्रीन-उपस्थिति के बीच नई पीढ़ी भक्ति के ऐसे रूप तलाश रही है, जो उसके जीवन की गति और उसकी अभिव्यक्ति से जुड़ सकें। इसी बदलते सामाजिक परिदृश्य में 'भजन क्लबिंग' एक नई और रोचक सांस्कृतिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आई है। भजन क्लबिंग का अर्थ है-भजन, कीर्तन और भक्ति-संगीत को पारंपरिक धार्मिक आयोजन की सीमाओं से बाहर निकालकर ऐसे सामूहिक वातावरण में प्रस्तुत करना, जहाँ युवा गाते हैं, झूमते हैं, नृत्य करते हैं और संगीत की लय में स्वयं को विसर्जित करते हैं। वातावरण में आधुनिक संगीत की ऊर्जा होती है, लेकिन केंद्र में भक्ति रहती है। इसे एक तरह से क्लब की ऊर्जा और सत्संग की आत्मीयता का संगम कहा जा सकता है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से यह धारणा रही है कि धर्म और अध्यात्म वृद्ध पीढ़ी के विषय हैं। नई पीढ़ी आधुनिकता, तर्क और तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुए धार्मिक अनुष्ठानों से दूरी बना रही है।

देश दुनिया से

जियो का मुफ्त जाल और जिंदगी भर की वसूली

आधुनिक अर्थव्यवस्था में निजीकरण को विकास, प्रतिस्पर्धा और बेहतर सेवाओं का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। तर्क दिया जाता है कि निजी कंपनियाँ सरकारी संस्थानों की तुलना में अधिक कुशल होती हैं, उनकी सेवाएँ बेहतर होती हैं और वे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प उपलब्ध कराती हैं। लेकिन इस चमकदार तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएँ सार्वजनिक सेवा के बजाय मुनाफा कमाने का माध्यम बन जाती हैं, तब समाज में आर्थिक असमानता और शोषण की संभावनाएँ बढ़ने लगती हैं। सवाल यह नहीं है कि निजी क्षेत्र को कारोबार करने का अधिकार होना चाहिए या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरी तरह बाजार की शक्तियों के भरोसे छोड़ देना उचित है? दूरसंचार क्षेत्र इसका एक दिलचस्प उदाहरण है। जियो के आगमन ने भारतीय दूरसंचार बाजार में बड़ा बदलाव किया। शुरुआती दौर में मुफ्त कॉलिंग और सस्ते इंटरनेट की पेशकश ने करोड़ों लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। इंटरनेट का विस्तार हुआ, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और सूचना तक पहुँच आसान हुई। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। लेकिन इस बदलाव के साथ एक ऐसी उपभोक्ता संस्कृति विकसित हुई, जिसमें मुफ्त और सस्ती सेवाओं के आकर्षण ने लोगों को निजी कंपनियों पर पहले से अधिक निर्भर बना दिया। एक समय था जब अनेक लोगों के पास एक ही मोबाइल सिम होती थी, लेकिन सस्ते रिचार्ज, अलग-अलग नेटवर्क और आकर्षक योजनाओं के



कारण कई लोगों ने एक से अधिक सिम रखना शुरू कर दिया। बाजार में प्रतिस्पर्धा के नाम पर शुरू हुई यह प्रक्रिया धीरे-धीरे उपभोक्ता की आदतों और निर्भरता को प्रभावित करने लगी। यहाँ समझने वाली बात है कि कोई भी निजी कंपनी अंततः अपने निवेश, बाजार हिस्सेदारी और लाभ को ध्यान में रखकर काम करती है। मुफ्त या बेहद सस्ती सेवा हमेशा स्थायी जनकल्याण की नीति नहीं होती। शुरुआती आकर्षण के बाद शुल्क बढ़ सकते हैं, योजनाओं की शर्तें बदल सकती हैं और उपभोक्ता के सामने सीमित विकल्प रह सकते हैं। जब किसी क्षेत्र में कुछ बड़ी कंपनियों का प्रभाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब वास्तविक प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ने का खतरा भी पैदा होता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता के पास विकल्प तो दिखाई देते हैं, लेकिन उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए किसी कंपनी की लोकप्रियता को ही उपभोक्ता हितों की गारंटी मान लेना उचित नहीं है। निजीकरण की सबसे बड़ी समस्या तब सामने आती है, जब इसका विस्तार उन क्षेत्रों में होने लगता है जिन पर आम नागरिक का जीवन निर्भर करता है। शिक्षा को ही देखिए। यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल महंगे निजी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध होगी, तो गरीब परिवारों के बच्चों के लिए समान अवसर कैसे सुनिश्चित होंगे? स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण यदि बिना प्रभावी नियमन के आगे बढ़ेगा, तो गंभीर बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट में धकेल सकती है। बिजली, पानी और परिवहन जैसी सुविधाओं में भी यदि लाभ कमाना ही प्रमुख उद्देश्य बन जाए, तो कमजोर आय वर्ग के नागरिकों पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है। बाजार की अपनी उपयोगिता है, लेकिन बाजार सामाजिक न्याय का विकल्प नहीं हो सकता। बाजार वहाँ निवेश करता है जहाँ लाभ की संभावना अधिक होती है। इसके विपरीत, सरकारी व्यवस्था का मूल दायित्व उन क्षेत्रों और लोगों तक सुविधाएँ पहुँचाना भी है जहाँ आर्थिक लाभ कम या नगण्य हो सकता है। दूरदराज के गाँवों में विद्यालय चलाना, पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करना, गरीब परिवारों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार करना सरकार की जिम्मेदारी है। इन सेवाओं का मूल्य केवल आर्थिक लाभ से नहीं आँका जा सकता। इनका वास्तविक मूल्य सामाजिक सुरक्षा, समान अवसर और नागरिक गरिमा में निहित है। निजीकरण का एक गंभीर परिणाम सामाजिक विभाजन के रूप में भी दिखाई देता है। जब सुविधाएँ खरीदने की क्षमता के आधार पर मिलने लगती हैं, तब समाज दो वर्गों में बँटता चला जाता है। एक वर्ग महंगे अस्पतालों, प्रतिष्ठित विद्यालयों, निजी परिवहन और बेहतर संचार सुविधाओं का लाभ उठाता है, जबकि दूसरा वर्ग सीमित संसाधनों में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। धीरे-धीरे अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण जीवन आर्थिक हैसियत से जुड़ जाते हैं। इस प्रकार अमीरी और गरीबी का अंतर केवल आय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में भी दिखाई देने लगता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी व्यवस्थाएँ पूरी तरह दोषमुक्त हैं। सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार, कर्मचारियों की कमी, जवाबदेही का अभाव, संसाधनों का दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही जैसी समस्याएँ मौजूद हैं। लेकिन इन कमियों का समाधान सरकारी संस्थानों को कमजोर करना या उन्हें निजी हाथों में सौंप देना नहीं है। आवश्यकता सरकारी संस्थानों में सुधार, पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, पर्याप्त बजट और प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। यदि कोई सरकारी अस्पताल ठीक से काम नहीं कर रहा, तो उसका समाधान अस्पताल को बंद करना नहीं, बल्कि चिकित्सकों, दवाओं, उपकरणों और प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर करना है।

आप का नज़रिया

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह, यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आतंकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाये रखने के लिये कानून-व्यवस्था व शांति बनाये रखना बेहद जरूरी है। जैसा कि हमने देखा था कि अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी की आर्थिकी को भारी चोट पहुंची थी। जो अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी। देश के विभिन्न भागों व विदेशों से आने वाले पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेने लौटने लगे थे। निर्विवाद रूप से किश्तवाड़ जैसे इलाकों में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले आतंकी हमले व हिंसा पर्यटकों को दूर रख सकती है। इससे विकास की गति बाधित होती है और स्थानीय लोगों की आजीविका संकट में पड़ जाती है। भले ही अभी तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिल पाया हो, लेकिन इसके बावजूद घाटी के लोगों का भरोसा हासिल करना बेहद जरूरी है।

पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह, यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है।

कुछ अलग

सादगी की मिसाल नेहरू

जब पं. जवाहरलाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री थे। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में वे पेड़-पौधों के बीच से गुजर रहे थे। तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पहले उन्हें भ्रम हुआ। मगर जब आवाज़ तेज हो गई तो वे आवाज़ की गति की दिशा में बढ़ते रहे। कुछ दूरी पर उन्हें एक छोटा बच्चा दिखाई दिया जो रो रहा था। नेहरू जी ने इधर-उधर देखा। आसपास उन्हें कोई नहीं दिखाई दिया। नेहरू जी को लगा कि शायद बच्चे की मां माली के साथ काम कर रही होगी। उन्होंने जल्दी से बच्चे को उठाया और गले से लगा लिया। इसके बाद वे मां की तरह उसे प्रेम से थपकियां देने लगे। बच्चा चुप हो गया। कुछ ही देर में बालक की मां वहां आई। उसके हाथ मिट्टी से सने थे। उसने हाथ पोंछ कर बालक की दिशा में हाथ बढ़ाए तो देखा कि बालक नेहरू जी की गोद में मुस्करा कर पेड़-पौधों को देख रहा है। यह देखकर बालक की मां नेहरू जी की सादगी के प्रति नतमस्तक हो उठी।

दृष्टि कोण

प्रवृति, आस्था और शुद्धता का अनुपम उत्सव

भारत की सांस्कृतिक धारा में यदि कोई पर्व जीवन, प्रवृति और आस्था के त्रिवेणी संगम का प्रतीक है तो निसंदेह वह है 'छठ' महापर्व। दीवाली की जगमगाहट के तुरंत बाद आरंभ होने वाला यह चार दिवसीय अनुष्ठान न केवल सूर्य उपासना का पर्व है बल्कि मानवीय श्रद्धा, पर्यावरणीय संतुलन और आत्मशुद्धि का जीवंत प्रतीक भी है। 'छठ' पर्व को लोक परंपरा, अध्यात्म और वैज्ञानिकता का अद्भुत संगम भारतीय संस्कृति में विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। चार दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान केवल धरमिक ही नहीं, मानव और प्रवृति के बीच गहन सामंजस्य का प्रतीक है। छठ पर्व का आरंभ 13 नवंबर को 'नहाय-खाय' से हुआ है। इस दिन छठ व्रती स्नान कर अपने शरीर और मन को पवित्र करते हैं तथा सात्विक भोजन बनाकर ग्रहण करते हैं। भोजन सामान्यतः चने की दाल, कद्दू की सब्जी और अरवा चावल का होता है, जिसे बिना लहसुन-प्याज के पकाया जाता है। यह दिन आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जब व्यक्ति अपने जीवन से अशुद्धता, पाखंड और आलस्य को दूर करता है। इसी दिन व्रती छठी मइया का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लेते हैं और सूयरेपासना की यात्रा आरंभ होती है। इस दिन पूरे परिवेश में शुद्धता, संयम और सादगी की पवित्र गंध पैल जाती है। 14 नवंबर को छठ पर्व का दूसरा चरण 'खरना' मनाया गया। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जल व्रत रखते हैं और शाम को स्नान-ध्यान कर मिट्टी के चूल्हे पर खीर, रोटी और फल का प

विश्व स्नूकर में भारत का दमदार प्रदर्शन, छह खिलाड़ियों ने स्टेज-2 में बनाई जगह

इंदौर

इंदौर में आयोजित आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पहले इवेंट के स्टेज-1 चांस-1 मुकाबलों में छह भारतीय खिलाड़ियों ने स्टेज-2 में जगह बनाई। वहीं, दूसरे इवेंट में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पारस गुप्ता और उजैर खान ने लगातार तीन-तीन मुकाबले जीतकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की, जबकि ध्रुव पटेल ने दिन के अंतिम मुकाबले में सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को 4-3 से हराया। ब्रेक के मामले में पहले इवेंट में भारत के रेयान रज्मी ने 134 और दूसरे इवेंट में हांगकांग चीन के लैंगयी रयान ली ने 103 का सर्वोच्च ब्रेक लगाया।

पहले इवेंट में भारत के पीयूष कुशवाहा, क्रिश गुरबक्सानी, कमल चावला, श्रीकृष्ण सूर्यनारायणन, रणवीर दुग्गल और दिग्विजय कादियान ने स्टेज-2 के लिए क्वालीफाई किया। इनके अलावा हांगकांग चीन के वांग युचेन और फंग क्वोक वाई ने भी अगले चरण में जगह बनाई। इस तरह स्टेज-1 चांस-1 से आठ खिलाड़ियों ने स्टेज-2 का टिकट हासिल किया, जिनमें छह भारतीय शामिल हैं।

पीयूष, क्रिश, कमल, श्रीकृष्ण, रणवीर और दिग्विजय क्वालीफाई; दिग्विजय की निर्णायक फ्रेम में जीत, कमल के दो शतक; दूसरे इवेंट में पारस-उजैर की जीत की हैट्रिक, ध्रुव भी चमके

दिग्विजय की रोमांचक वापसी, निर्णायक फ्रेम में जीत - पहले इवेंट के क्वालीफाइंग मुकाबलों में दिग्विजय कादियान और श्रीलंका के थाहा इर्शाद के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दिग्विजय ने दो फ्रेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-3 से जीत दर्ज की। पांचवें फ्रेम के बाद वह 2-3 से पीछे थे। छठे फ्रेम में 52 का ब्रेक लगाकर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक फ्रेम तक पहुंचाया। अंतिम फ्रेम में 69-22 से जीत हासिल कर उन्होंने स्टेज-2 में अपनी जगह पक्की की।

पीयूष कुशवाहा ने भी भारतीय खिलाड़ी अनुराग गिरी को निर्णायक फ्रेम में 4-3 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। कमल चावला ने लक्ष्मण रावत को 4-1 से शिकस्त देकर क्वालीफाई किया। हांगकांग चीन के फंग क्वोक वाई ने भारत के ऋतिक जैन को 4-3 से हराने के बाद अपना अगला मुकाबला 4-0 से जीता। वहीं, वांग युचेन ने अपने हमवतन लैंगयी रयान ली को 4-1 से पराजित किया।

पारस-उजैर की जीत की हैट्रिक, ध्रुव ने भी मारी बाजी - दूसरे इवेंट में पारस गुप्ता और उजैर खान ने लगातार तीन-तीन मुकाबले जीतकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पारस ने बांग्लादेश के अल्ताफ हुसैन को 4-0, नेपाल के सबिन तामांग को 4-3 और ओमान के सामी अल हमराशदी को 4-1 से हराया।



उजैर खान ने बांग्लादेश के मोहम्मद अल अमीन और नेपाल के वांगच्यू तामांग को 4-2 से शिकस्त दी। इसके बाद फिलीपींस के माइकल मेंगोरियो को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

ध्वज हरिया ने आस्ट्रेलिया के डेनियल हेन्गा को 4-3 से हराने के बाद विजय निचानी को 4-0 से पराजित किया। रेयान रज्मी ने श्रीलंका के थाहा इर्शाद को 4-3 और कनिष्क झंझरिया को 4-0 से शिकस्त दी। विजय निचानी ने हुसैन अल्लावती को 4-0 और संयुक्त अरब अमीरात के सैफ सईद अलजाबी को 4-1 से हराया। लक्ष्मण रावत ने श्रीलंका के प्रताप मुरुगेसु को 4-1 और पोलैंड के ओलिवियर निजियालेक को 4-0 से पराजित किया, लेकिन बाद में इराक के अली हुसैन से 3-4 से हार गए। अली हुसैन ने इससे पहले भारत के ऋतिक जैन को भी 4-1 से शिकस्त दी थी। दिन के अंतिम मुकाबले में ध्रुव पटेल ने सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को सात फ्रेम तक चले संघर्ष में 4-3 से हराया। इससे पहले ध्रुव ने संयुक्त अरब अमीरात के अब्दुल्ला फहद अलनुआइमी को 4-0 से पराजित किया था। वहीं, हांगकांग चीन के लैंगयी रयान ली ने बहरीन के पुनैत साकर को 4-2 और भारत की दिव्या शर्मा को 4-0 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर रहेंगे बियर्डमैन, आस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाजी में किया बदलाव



एडिलेड। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन दूसरे वनडे में नहीं खेलेंगे। आस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को नियंत्रित रखने के लिए सावधानी बरत रहा है। बियर्डमैन ने शुक्रवार को पर्थ में खेले गए पहले वनडे में छह विकेट लेकर इतिहास रचा था। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे, जो वनडे पदार्पण पर किसी आस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। 21 वर्षीय बियर्डमैन को पीठ की चोटों का पुराना इतिहास रहा है। हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद स्ट्रेस फ्रैक्चर दोबारा उभरने के कारण वह सात महीने तक मैदान से बाहर रहे थे। इसी वजह से आस्ट्रेलिया उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यभार को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अनुसार , बियर्डमैन हाल की चोटों के बाद अपनी शारीरिक क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। वह बुधवार को होबार्ट में होने वाले तीसरे वनडे के लिए अंतिम एकादश में वापसी करेंगे। इस बीच, तस्मानिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह अभी तक साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। एलिस को सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आस्ट्रेलिया की 1-2 से वनडे सीरीज हार के दौरान बाईं तरफ चोट लगी थी। इसके कारण वह पोटचेफस्ट्रूम में सीरीज का अंतिम मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। एलिस की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस को आस्ट्रेलिया की टी20 टीम में शामिल किया गया है। उनके पास जून में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का मौका होगा। पांच मैचों की टी20 सीरीज शनिवार से मेलबर्न में शुरू होगी। राइली मेरेडिथ भी सीरीज के अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए एडिलेड में आस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ गए हैं।

राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस : हिमांशी के उलटफेर से मनिका बत्रा बाहर, श्रीजा ने बनाई अगले दौर में जगह

फगवाड़ा। तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर हुआ। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल मनिका बत्रा महिला एकल के क्वालीफाइंग दौर में हारकर मुख्य ड्रा की दौड़ से बाहर हो गईं। कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने पांच गेम तक चले मुकाबले में मनिका को 9-11, 11-6, 9-11, 11-8, 11-3 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हिमांशी ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। शुरुआती चार गेम में दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो गेम जीते, लेकिन निर्णायक गेम में हिमांशी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से एकतरफा जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टाटा पावर प्लेयर आफ द डे चुना गया। उन्हें 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार भी मिलेगा। मनिका ने अपने अभियान की शुरुआत मोनोलिपी सिंघा को 3-0 से हराकर की थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में वह हिमांशी की चुनौती पार नहीं कर सकीं। दूसरी ओर, हिमांशी ने दबाव के क्षणों में संयम बनाए रखते हुए अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक का इतिहास: लसिथ मलिंगा के नाम दो बार यह कारनामा करने का अनूठा रिकार्ड



नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट, वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। वर्ल्ड कप के इतिहास में कई दिग्गज गेंदबाजों ने लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी है, लेकिन श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में दो बार हैट्रिक लेकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ल्ड कप में अब तक कुल 11 हैट्रिक दर्ज हुई हैं, लेकिन कोई दूसरा गेंदबाज इस कारनामे को दोहराने में कामयाब नहीं हो सका। वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी भारत के पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा थे। उन्होंने 31 अक्टूबर 1987 को नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की थी। चेतन शर्मा ने न्यूजीलैंड की पारी के दौरान केन रदरफोर्ड, इयान स्मिथ और इवेन चैटफील्ड को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। उनके बाद पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक ने 1999 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ और श्रीलंका के चमिंडा वास ने 2003 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली। 2003 वर्ल्ड कप में ही आस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने केन्या के खिलाफ हैट्रिक लेकर इस सूची में अपना नाम दर्ज कराया। लसिथ मलिंगा ने अपनी पहली वर्ल्ड कप हैट्रिक 2007 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ली थी, जब उन्होंने शान पोलाक, एंड्रयू हाल और जैक कैलिस को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। हालांकि, मलिंगा यहीं नहीं रुके, उन्होंने चार साल बाद एक बार फिर वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया।

न्यूजीलैंड में भारत की ऐतिहासिक जीत, 7 साल का रिकॉर्ड टूटा



माउंट माउंगानुई।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की रोमांचक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) सीरीज का समापन रविवार को हो गया। पांचवें और आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम ने 22 रनों से शानदार जीत दर्ज करते हुए सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारत ने न्यूजीलैंड की घरेलू मैदान पर लगातार द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने की लय को तोड़ दिया। न्यूजीलैंड को अपने घर में आखिरी बार 2019 में भारत के हाथों ही वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में यह पहली विदेशी वनडे सीरीज जीत रही।

इस सीरीज में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन जीत का सबसे बड़ा आधार बना। खास बात यह रही कि चौथे मुकाबले में भारत की करारी हार के बाद कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई थी, लेकिन अंतिम मुकाबले में गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए टीम को यादगार जीत दिलाई। हालांकि, पूरी सीरीज में बल्लेबाजों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा। पिच और परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए गेंदबाजों ने अपना दबदबा बनाए रखा। यही वजह रही कि भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी बड़ी पारियां खेलने में सफल नहीं हो सके। पूरी सीरीज में केवल दो बल्लेबाज ही 100 से अधिक रन बना पाए।

टॉप-2 पर न्यूजीलैंड का कब्जा

पूरी सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले दो स्थानों पर न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का कब्जा रहा। कीवी बल्लेबाज विल यंग सीरीज के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 40.50 की औसत से कुल 162 रन बनाए। शुरुआती दो मुकाबलों में उनका बल्ला शांत रहा, लेकिन चौथे वनडे में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 125 रनों की शतकीय पारी खेली। यह पूरी सीरीज का एकमात्र शतक भी रहा। अंतिम मुकाबले में भी उन्होंने 22 रनों का योगदान दिया।

सूची में दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट रहे। उन्होंने 27.50 की औसत से कुल 110 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतकीय पारी भी शामिल रही। कई मुकाबलों में अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद वह अपना विकेट गंवाते रहे। भारतीय टीम की ओर से विराट कोहली सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। वह समग्र सूची में तीसरे स्थान पर रहे। कोहली चार पारियों में 21.50 की औसत से केवल 86 रन ही बना सके। पहले मुकाबले में वह लय में नजर आए, लेकिन शेष मैचों में खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते रहे। अंतिम निर्णायक मुकाबले में भी उनका बल्ला खामोश रहा।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल 83 रनों के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने केवल दो पारियों में 41.50 की औसत से रन बनाए, जिसमें एक शानदार अर्धशतक शामिल रहा। वहीं, कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी करते हुए चार पारियों में 20.75 की औसत से कुल 82 रन बनाए।

पांचवें वनडे में अंपायरों की बड़ी चूक

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें वनडे मुकाबले में मैदानी अंपायरों से बड़ी चूक देखने को मिली। भारतीय पारी के दौरान स्ट्राइक रोटेशन में हुई गलती को मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और वेन नाइट्स के अलावा तीसरे अंपायर भी पकड़ने में नाकाम रहे। हैरानी की बात यह रही कि ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान भी इस गलती पर किसी का ध्यान नहीं गया और मैच इसी स्थिति में पूरा हो गया।

अक्षर की जगह श्रेयस ने ली स्ट्राइक

यह घटना भारतीय पारी के 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर हुई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर गेंदबाजी कर रहे थे और अक्षर पटेल स्ट्राइक पर थे। अक्षर ने शॉर्ट गेंद को विकेटकीपर टिम सीफर्ट और स्लिप फील्डर के ऊपर से खेला। गेंद को रोकने के लिए थर्ड मैन क्षेत्र से डफी दौड़कर आए और भारतीय बल्लेबाजों को केवल एक रन मिला।

इस रन के साथ अक्षर पटेल को अगले ओवर की पहली गेंद खेलनी थी। लेकिन 14वें ओवर के बाद ड्रिंक्स ब्रेक हुआ और खेल दोबारा शुरू होने पर श्रेयस अय्यर स्ट्राइक पर खड़े नजर आए। न्यूजीलैंड के क्रिस्टियन क्लार्क ने 15वें ओवर की पहली गेंद डाली, जिस पर श्रेयस अय्यर ने आगे बढ़कर रक्षात्मक शॉट खेला। इस दौरान न तो मैदानी अंपायरों ने गलती पकड़ी और न ही तीसरे अंपायर का ध्यान इस ओर गया।

ड्रिंक्स ब्रेक के बाद भी नहीं सुधरी गलती

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान अंपायरों के पास बल्लेबाजों की स्थिति और स्ट्राइक की जांच करने का पर्याप्त समय था। इसके बावजूद किसी भी अंपायर ने इस गलती पर ध्यान नहीं दिया। क्रिकेट के सामान्य नियम के अनुसार, ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेने वाला बल्लेबाज अगले ओवर की पहली गेंद का सामना करता है। ऐसे में अक्षर पटेल को 15वें ओवर की पहली गेंद खेलनी चाहिए थी, लेकिन उनकी जगह श्रेयस अय्यर ने स्ट्राइक ले ली।

युवा गेंदबाजों ने जीता गंभीर का दिल

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद खुश नजर आए। उन्होंने युवा गेंदबाजों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की और कहा कि गेंदबाज ही आपको सीरीज जिताते हैं। गंभीर ने सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ पूरी टीम और सहयोगी स्टाफ की तस्वीर भी साझा की। भारतीय टीम की परंपरा के अनुसार इस तस्वीर में ट्रॉफी सबसे युवा खिलाड़ियों के हाथों में थी।

गंभीर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं, अपने लड़कों पर गर्व है। तस्वीर में उनके चेहरे पर टीम की जीत की खुशी साफ दिखाई दे रही थी। चौथे वनडे में भारत की हार के बाद बल्लेबाजों को प्रदर्शन सुधारने की नसीहत देने वाले गंभीर अंतिम मुकाबले के बाद गेंदबाजों के प्रदर्शन से खासे संतुष्ट नजर आए।

गेंदबाजों ने जिताए तीनों मुकाबले

पांच मैचों की इस सीरीज का तीसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। ऐसे में भारत ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। भारत की तीनों जीत में गेंदबाजों की अहम भूमिका रही। पहले वनडे में अंशुल कंबोज ने 22 रन देकर दो विकेट हासिल किए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दूसरे वनडे में गुरनूर बरार ने 30 रन देकर चार विकेट झटके और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं, पांचवें एवं अंतिम वनडे में अर्शदीप सिंह ने 30 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और उन्हें भी मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

गुरनूर बरार सीरीज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

इस सीरीज में युवा गेंदबाज गुरनूर बरार भारतीय गेंदबाजी के सबसे बड़े सितारे बनकर उभरे। उन्होंने तीन मुकाबलों में कुल नौ विकेट हासिल किए और सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं, अंतिम वनडे में शानदार गेंदबाजी करने वाले अर्शदीप सिंह को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भोपाल में खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान

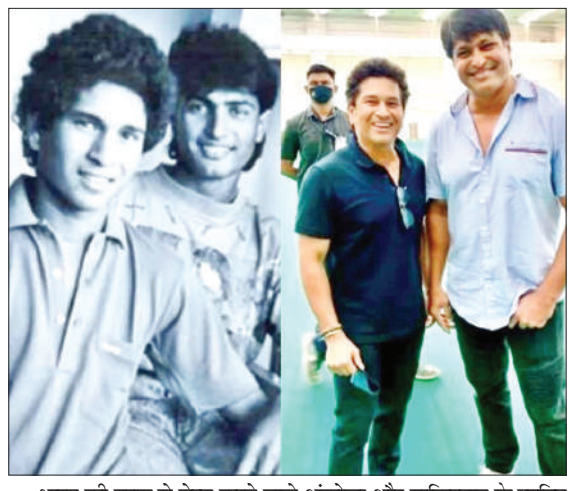


नई दिल्ली। भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी भोपाल 2026 से पहले खिताब बचाने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले कुछ समय में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार किया है और अब लक्ष्य इस लय को बरकरार रखते हुए खेल के स्तर को और ऊंचा उठाना है। घरेलू मैदान पर होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम एक बार फिर चैंपियन बनने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय महिला हाकी टीम ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने एफआईएच नेशंस कप का खिताब अपने नाम किया था। वहीं, एफआईएच विश्व कप में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। सलीमा टेटे ने टीम की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने प्रत्येक टूर्नामेंट में अपने खेल को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा, हमने हर टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन को एक कदम आगे बढ़ाया और जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। हमारी निरंतरता अच्छी रही है। अब हम अपने बनाए हुए स्तर को बरकरार रखने और इसे लगातार ऊंचा उठाने की कोशिश करेंगे।

सचिन के साथ किया डेब्यू, नियति का खेल : सलिल अंकोला की अनकही कहानी

मुंबई

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो प्रतिभा और संभावनाओं के बावजूद अधूरी रहती हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कहानी है पूर्व तेज गेंदबाज सलिल अंकोला की, जिन्होंने 1989 में सचिन तेंदुलकर के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। जहाँ सचिन ने कीर्तिमानों का पहाड़ खड़ा किया, वहीं अंकोला का करियर सिर्फ एक टेस्ट और 20 वनडे मैचों तक सिमटकर रह गया और 28 साल की छोटी उम्र में चोटों के कारण उन्हें संन्यास लेना पड़ा। क्रिकेट की दुनिया में सिर्फ प्रतिभा ही सब कुछ नहीं होती, बल्कि शारीरिक फिटनेस और थोड़ा किस्मत का साथ जरूरी है। अंकोला के साथ नियति ने ऐसा खेल खेला कि वे कभी अपनी पूरी क्षमता के साथ न्याय नहीं कर पाए। कई बार घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह बनाई, लेकिन अंततः चोटों ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया।



बात साल 1989 की है, जब 15 नवंबर को कराची के राष्ट्रीय स्टेडियम में चार युवा खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसमें 16 वर्षीय सचिन तेंदुलकर और 18 वर्षीय वकार यूनिस शामिल थे, जिन्होंने आगे चलकर क्रिकेट की दुनिया में अमर नाम कमाया। सचिन ने 200 टेस्ट खेलकर 15,921 रन बनाए, वकार ने 87 टेस्ट में 373 विकेट लेकर रिवर्स स्विंग के बादशाह बने। लेकिन इसी मैच में डेब्यू करने वाले दो अन्य खिलाड़ियों की किस्मत बिल्कुल अलग थी।

भारत की तरफ से डेब्यू करने वाले अंकोला और पाकिस्तान के शाहिद सईद का करियर इसी पहले टेस्ट के साथ खत्म हो गया। महज 21 साल की उम्र में यह सोचना मुश्किल था कि अंकोला का पहला टेस्ट ही उनका आखिरी होगा, लेकिन नियति को यही मंजूर था। एक ऐसे गेंदबाज में भारत का बड़ा आलराउंडर बनने की काबिलियत थी, जो चोटों के भंवर में फंसकर कभी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाया। क्रिकेट से संन्यास के बाद भी सलिल अंकोला का संघर्ष जारी रहा। शुरुआती दिनों में उन्हें अवसादों से भी जूझना पड़ा, हालांकि अब स्थितियां सामान्य होने लगी हैं। सचिन तेंदुलकर के साथ अंतरराष्ट्रीय सफर शुरू करने वाले इस खिलाड़ी की कहानी आज भी उस कड़वी सच्चाई को बयां करती है कि कैसे एक खिलाड़ी की प्रतिभा नियति के आगे हार मान लेती है।

टोटल चेस टूर: एरिगैसी ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंचे, आनंद गिरि ने ग्रुप सी की कमान संभाली; वैशाली को दोनों मुकाबलों में हार

बुडापेस्ट (हंगरी)

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिकल ग्रुप चरण के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन रहा। अर्जुन एरिगैसी ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर ग्रुप डी में संयुक्त बढ़त हासिल की, जबकि अनिश गिरि ने अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ ग्रुप सी में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं, वैशाली रमेशबाबू को वेस्ली सो के खिलाफ दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। आर. प्रज्ञानानंद को रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ एक मुकाबले में हार मिली, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रा रहा। प्रतियोगिता के चौथे दिन सातवें और आठवें दौर के मुकाबलों में कुल 24 बाजियां खेली गईं, जिनमें 10 के परिणाम निकले। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ दो मुकाबले खेले और दोनों में रंग बदले गए। जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए जा रहे हैं। वेस्ली सो दिन के एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिन्होंने अपने दोनों मुकाबले जीतकर पूरे छह अंक हासिल किए।

चार ग्रुप में जारी इस प्रतियोगिता में ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा 13 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना 16 अंकों के साथ चार अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। ग्रुप सी में अनिश गिरि 13 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि ग्रुप डी में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, हैंस मोके नीमन और अर्जुन एरिगैसी 13-13 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

अर्जुन ने वाचियर-लाग्रेव का अजेय क्रम तोड़ा - ग्रुप डी में अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव का फास्ट क्लासिकल मुकाबलों में अजेय रहने का



क्रम तोड़ दिया। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रा रही, लेकिन दूसरी बाजी में अर्जुन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए एंडगेम में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 13 अंक लेकर वाचियर-लाग्रेव के बराबर पहुंच गए और संयुक्त रूप से ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

इसी ग्रुप में हैंस मोके नीमन ने बिबिसारा अस्सौबायेवा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ 13 अंक हासिल किए। नीमन ने पहली बाजी सफेद मोहरों से जीती, जबकि दूसरी बाजी में अस्सौबायेवा ने मुकाबला ड्रा करा लिया। यह दिन की सबसे लंबी बाजी रही। अस्सौबायेवा के खाते में नौ अंक हैं। वेस्ली सो ने भारतीय खिलाड़ी वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ दोनों बाजियां जीतकर छह अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के बाद सो के कुल 10 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप के शीर्ष तीन खिलाड़ियों से तीन अंक पीछे हैं। वैशाली चार अंकों के साथ ग्रुप में पीछे चल रही हैं।

गिरि ग्रुप सी में शीर्ष पर, अभिमन्यु के खिलाफ जीत और ड्रा - ग्रुप सी में अनिश गिरि ने भारतीय खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ 13 अंक हासिल कर बढ़त बना ली। पहली बाजी में गिरि ने सफेद मोहरों से एंडगेम में जीत दर्ज की, जबकि दूसरी बाजी ड्रा रही। इस तरह वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से दो अंक आगे हो गए। अभिमन्यु मिश्रा के खाते में छह अंक हैं। इसी ग्रुप में इयान नेपोमनियाची ने दिन के शीर्ष खिलाड़ी हैक मार्टिरोस्यान को वापसी मुकाबले में हराया। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रा रही थी। इस तरह नेपोमनियाची और मार्टिरोस्यान दोनों के कुल 11-11 अंक हो गए हैं। मैग्नस कार्लसन और शाखरियार मामेदयारोव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। मामेदयारोव के नौ और कार्लसन के सात अंक हैं। कार्लसन अब तक फास्ट क्लासिकल प्रारूप में जीत दर्ज नहीं कर सके हैं। उन्होंने सात बाजियां ड्रा खेली हैं और एक में उन्हें हार मिली है।

प्रज्ञानानंद को रैपोर्ट ने हराया, दूसरी बाजी ड्रा - ग्रुप बी में भारतीय खिलाड़ी आर. प्रज्ञानानंद को रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ एक बाजी में हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के अंतिम चरण में प्रज्ञानानंद की एक गलती का रैपोर्ट ने फायदा उठाया और कठिन स्थिति से वापसी करते हुए चेकमेट के जरिए जीत दर्ज की।





बापू घाट लंगर हाउस में श्री राम चन्द्र मठ संगम पीठाधीश्वर महंत राहुल दास जी के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव एवं भजन संध्या–कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य सुनील पाण्डेय, महंत चेतन गिरी, गोविन्दा ग्रुप के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

बेगम बाजार पर किया गया अन्नदान





हैदराबाद. राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप द्वारा संचालित यह सेवा अभियान मानवता, प्रेम, सहयोग और समर्पण की भावना को साकार करने का निरंतर प्रयास है। इस अभियान के माध्यम से जरूरतमंदों तक अन्नसेवा पहुंचाने के साथ–साथ समाज में सेवा, संस्कार और परोपकार का संदेश भी दिया जा रहा है।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति में निस्वार्थ सेवा और दूसरों के प्रति सहयोग की भावना जागृत करना भी है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें किसी प्रकार का स्वार्थ, भेदभाव अथवा दिखावा न हो, बल्कि मानवता के प्रति प्रेम और समर्पण का भाव समाहित हो। इसी विचारधारा के साथ ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

कार्यक्रम में नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान अग्रवाल एवं नरेश बंसल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी ने सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करते हुए इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने में अपनी भागीदारी निभाई।

छठ महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

बिहार समाज सेवा संघ के आयोजन में गूंजे छठी मैया के जयकारे, गंगा आरती रही विशेष आकर्षण



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से छठ महापर्व के पावन अवसर पर 15 एवं 16 नवंबर को शहर में दो दिवसीय भव्य छठ महोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार भाग लेकर भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना की तथा विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना कर सुख, समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की।

महोत्सव का आयोजन बेबी पोंड, संजीवैया पार्क के सामने, नेकलेस रोड, सिकंदराबाद में दोपहर 3 बजे से रात्रि 10 बजे तक हुआ । छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति–रिवाजों के अनुसार भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के परिवहन एवं भवन निर्माण विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री विकास राज (आईएएस) उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथियों के रूप में सेवानिवृत्त अधिकारी श्री आधार सिन्हा, डीसीपी ट्रैफिक श्री अभिनाश कुमार, श्री राजेश अग्रवाल (चेयरमैन, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) तथा खैरताबाद के पूर्व विधायक श्री चिंतला रामचंद्र रेड्डी ने शिरकत की। अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

महोत्सव के पहले दिन पारंपरिक विधि से छठ पूजा, सामूहिक अर्घ्य तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण झारखंड के रांची से आमंत्रित भोजपुरी लोकगायिका तत्शा गुप्ता की प्रस्तुति रही। उन्होंने छठ पर्व से जुड़े पारंपरिक एवं भक्तिमय भोजपुरी गीतों के माध्यम से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इसके साथ ही हैदराबाद के पवन पांडेय एवं उनकी टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

काशी की गंगा आरती बनी आकर्षण का केंद्र

दो दिवसीय छठ महोत्सव में विशेष आकर्षण काशी (बनारस) से पधारी आचार्य शिवम जी महाराज की मंडली द्वारा प्रस्तुत भव्य गंगा आरती रही। पारंपरिक धार्मिक विधि–विधान एवं भव्य आरती ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ दिया। आरती के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक इस आयोजन में भाग लिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में मार्गदर्शक आलोक कुमार झा, परमानंद शर्मा, संजय सिंह, डॉ. देव कुमार पुखराज, अजय कुमार सिंह, शशि सिन्हा, रजनीश कुमार झा, संयोग कुमार ठाकुर एवं पप्पू सिन्हा का मार्गदर्शन रहा।आयोजन समिति में राजू ओझा, राकेश त्रिपाठी, विकास सिंह, राधेश्याम प्रजापति, राकेश सिंह, प्रताप गौरव सिंह, जितेंद्र यादव, श्रीमती अनिता सिंह, रघुवीर सिंह, नवरतन पासवान, अरविंद कुमार सिंह, संदीप ओझा, नवल तिवारी एवं संजीव मिश्रा (अंबरपेट घाट प्रभारी) सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी, कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी एवं सचिव अभय वर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नारा...

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार चुनाव हारने की हताशा अब अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत विरोधी बयान देकर निकाल रहे हैं। कांग्रेस ने अपने कार्यक्रम का नाम तो भारत समिट रखा, लेकिन उस सम्मेलन में राहुल गांधी ने भारत विरोधी विचार व्यक्त कर पूरी दुनिया के सामने देश को बदनाम करने का काम किया।

हार की हताशा

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस लगातार तीन बार चुनाव हार चुकी है और अब अपनी हताशा निकाल रही है। वामपंथी विचारधारा के लोगों को भारत बुलाया गया। राहुल गांधी ने भारत समिट में भारत विरोधी विचार रखे और देश की छवि खराब करने का प्रयास किया। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में बड़े–बड़े घोटाले किए हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में चार आने के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा है।

उन्होंने कहा कि क्या कोई भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम कर सकता है? सत्ता की लालसा इस तरह पूरी नहीं हो सकती। भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलने वाली है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने का जो प्रयास किया है, मैं उसकी कड़ी निंदा करता हूं।

आंतरिक मामलों में दखल

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को सवाल उठाया कि एक इतालवी राजनेता हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में देश के लोकतंत्र पर टिप्पणी करके भारत के आंतरिक मामलों में कैसे दखल दे सकता है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत के लोकतंत्र और संप्रभुता का अपमान करने का आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था और कांग्रेस के शासनकाल के दौरान कई लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने विदेशी प्रतिनिधियों द्वारा राहुल गांधी के मवोट चोर, गद्दी चोरफ वाले नारों को दोहराने पर आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि कुछ प्रतिभागी जॉर्ज सोरोस द्वारा प्रायोजित थे। राव ने मांग की कि राहुल गांधी भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं, संप्रभुता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगें। वहीं, फिलिबेक ने शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी का बचाव करते हुए कहा कि लोकतंत्र के सामने आ रही चुनौतियों की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि गंभीर चुनौतियों की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान खींचने के लिए इस तरह के आयोजन, सम्मेलन और शिखर बैठकें बहुत जरूरी हैं। भारत में लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं और हमें इसकी रक्षा करनी होगी। इसकी रक्षा करने का सबसे अच्छा तरीका राहुल गांधी और भारतीय कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े होना है।

विवादित...

भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना रिसॉर्ट–वियर परिधान ब्रांड फर्स्ट रिसॉर्ट शुरू किया और बाद में आरबीसी इवेंट्स की शुरुआत की। उन्होंने वर्ष 2020 में द एक्सीडेंटल शेफ के साथ खाद्य कारोबार में भी कदम रखा।

अमिताभ से पुरानी दोस्ती

अमिताभ बच्चन के साथ रमोला का जुड़ाव 1960 के दशक का है, जब अमिताभ बॉलीवुड के सुपरस्टार नहीं बने थे। उस समय अमिताभ कोलकाता की एक शिपिंग कंपनी में काम करते थे और वे दोनों एक ही सामाजिक दायरे का हिस्सा थे।

वर्ष 2002 में रेडिफ को दिए एक साक्षात्कार में रमोला ने बताया था कि अजिताभ से मिलने से पहले ही उनकी अमिताभ से दोस्ती हो गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि अमिताभ ने ही उन्हें अपने छोटे भाई से मिलवाया था।

उन्होंने कहा था, अमिताभ के साथ मेरी दोस्ती उस समय की है, जब न तो उनकी शादी हुई थी और न ही मेरी। यह अजिताभ से मिलने से भी पहले की बात है। फिल्मों में आने से पहले अमिताभ कोलकाता में काम करते थे। हम एक ही सामाजिक दायरे में थे और बहुत अच्छे दोस्त थे। उन्हीं के जरिए मेरी मुलाकात अजिताभ से हुई थी। रमोला और अजिताभ की शादी वर्ष 1973 में हुई थी। इसी साल अमिताभ ने जया बच्चन से शादी की थी। हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक के रिश्तेदार होने के बावजूद रमोला काफी हद तक सुर्खियों से दूर रहीं और अलग–अलग क्षेत्रों में अपना करियर बनाया। अब उनका नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। इसकी वजह बच्चन परिवार की सबसे चर्चित संपत्तियों में से एक 'जलसा' को लेकर चल रहा मालिकाना हक का विवाद है।

सिख 'हलाल'...

बोर्ड पर लिखा था कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस की ओर से सुरक्षा नहीं मिलने के कारण जॉन क्लीज़ रेस्टोरेंट की सुरक्षा का खर्च उठा रहे हैं।हरमन सिंह कपूर को उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। इनमें एक पोस्ट में उन्हें बेकन पकड़े हुए दिखाया गया था। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने रेस्टोरेंट के मांस काउंटर का वीडियो साझा किया था, जिसमें सूअर के मांस की बिक्री का जिक्र किया गया था।

कपूर ने कई बार दावा किया है कि उन्हें इस्लामवादी तत्वों की ओर से धमकियां मिली हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई मौकों पर लोगों ने रेस्टोरेंट की खिड़कियों पर अंडे फेंके। कपूर का कहना है कि इस विवाद का उनके कारोबार पर आर्थिक असर पड़ा है और प्रदर्शनकारियों ने रेस्टोरेंट के बहिष्कार की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मेट्रोपॉलिटन पुलिस से कई बार मदद मांगी, लेकिन उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा नहीं मिली।

प्रदर्शन से पहले गिरफ्तारी

शुक्रवार को प्रदर्शन शुरू होने से कुछ घंटे पहले कपूर को पश्चिमी लंदन स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनकी पत्नी को रेस्टोरेंट के बाहर प्रदर्शनकारियों का सामना करना पड़ा।

कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी गिरफ्तारी की जानकारी दी और पुलिस अधिकारियों के साथ अपना एक वीडियो भी साझा किया। इसके बाद उन्हें पुलिस की गाड़ी में ले जाया गया। उनकी गिरफ्तारी सोशल मीडिया पर इस्लाम से जुड़े एक पोस्ट के मामले में होने की बात कही जा रही है।

कपूर ने कहा कि वह कई दिनों से मेट्रोपॉलिटन पुलिस से अपने परिवार और कारोबार की सुरक्षा के लिए मदद मांग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद शुक्रवार सुबह उन्हें उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया और वह पुलिस हिरासत में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी गिरफ्तारी के बाद प्रदर्शन के दिन परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

फूट डालो...

कुछ शक्तियां अपने स्वार्थों के कारण यह भी नहीं चाहतीं कि भारत महान बने। आरएसएस सरसंघचालक ने कहा, भारत आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के अंदर और बाहर कुछ लोग ऐसा नहीं चाहते। छोटी–छोटी पहचानों को बड़ा करके और लोगों के बीच संघर्ष भड़काकर वे विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह वही रणनीति है, जिसका इस्तेमाल अंग्रेज अपने शासनकाल के दौरान किया करते थे।

समाज से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए भागवत ने धर्म और राष्ट्रसेवा में निहित संगठित जीवन के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से स्वार्थ, छोटे–मोटे मतभेदों और अहंकार को त्यागने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कौरवों की हार का उदाहरण

महाभारत का उदाहरण देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि कौरवों के पास 11 अक्षौहिणी की विशाल सेना थी। भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण और अश्वत्थामा जैसे दिग्गज योद्धा भी उनके साथ थे। इसके बावजूद आंतरिक मतभेदों के कारण उन्हें पांडवों के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं, कौरवों की तुलना में सात अक्षौहिणी सेना होने के बावजूद पांडव जीतने में सफल रहे। इसकी वजह यह थी कि वे एकजुट रहे और आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए विवादों को सुलझाते रहे।

जमीनी स्तर पर नेतृत्व के महत्व पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि समाज अपने विश्वसनीय बुजुर्गों और आदर्श व्यक्तियों का अनुसरण करता है। उन्होंने कहा कि हर गांव, गली और मोहल्ले में 25 से 100 ऐसे निस्वार्थ और शुद्ध चरित्र वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है, जो सुख–दुख में लोगों के साथ खड़े रहें और देश के प्रति समर्पित हों।

तालियों के लिए नहीं बजाते घोष

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि कर्म से आदतें बनती हैं, आदतों से स्वभाव बनता है और स्वभाव से चरित्र का निर्माण होता है। इस तरह चरित्र ही सच्ची ताकत है।

आरएसएस के घोष कार्यक्रम के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने युद्ध के मैदान में संगीत की परंपरा को भगवद्गीता जैसे प्राचीन ग्रंथों से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि भगवद्गीता में पांचजन्य और देवदत्त जैसे पवित्र शंख बजाने का उल्लेख मिलता है।

उन्होंने बताया कि शुरुआती स्वयंसेवकों ने भले ही ब्रिटिश सैन्य बैंड से बैंड की धुनें सीखीं, लेकिन स्वाभिमान की भावना ने उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत के सिद्धांतों पर आधारित मौलिक सैन्य रचनाएं तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस के घोष वादक व्यक्तिगत प्रशंसा या तालियां बटोरने के लिए प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि अनुशासन, निस्वार्थता, सामूहिक कार्य और सामूहिक प्रगति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से ऐसा करते हैं।

मुनीर...

इस ऐतिहासिक फैसले का मुख्य कारण मक्का संयुक्त रक्षा समझौता है। हालांकि, हाल ही में जब हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर हमला किया तो पाकिस्तान ने कथित तौर पर केवल मौखिक समर्थन दिया। सऊदी अरब के महत्वपूर्ण ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के हमले जारी रहने की बात भी रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट में तीनों देशों की अलग–अलग ताकत का भी उल्लेख किया गया है। इसमें सऊदी अरब की आर्थिक संपन्नता, तुर्की की तकनीकी एवं विनिर्माण क्षमता और पाकिस्तान की सैन्य ताकत को इस गठबंधन की प्रमुख विशेषताएं बताया गया है। समझौते पर 7 अगस्त 2026 को हस्ताक्षर किए गए थे और रियाद में आपात शिखर बैठक के दौरान इसे सक्रिय किया गया था। पश्चिम एशिया में अमेरिका–ईरान संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इस रक्षा साझेदारी को महत्वपूर्ण माना गया है।

टॉप–10 में कौन–कौन?

इस बार की सूची में दूसरा और तीसरा स्थान नहीं है। पांच लोगों को संयुक्त रूप से पहला स्थान दिया गया है और उसके बाद सीधे चौथा स्थान आता है।

संयुक्त रूप से पहले स्थान के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को चौथा, जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय को पांचवां और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को छठा स्थान मिला है।

पाकिस्तान के इस्लामी विद्वान मुफ्ती मुहम्मद तकी उस्मानी सातवें और यमन के धार्मिक विद्वान अल–हबीब उमर बिन हफीज आठवें स्थान पर हैं।

सूची में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद को 12वां, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी को 22वां और पाकिस्तान के धर्मगुरु मौलाना तारिक जमील को 32वां स्थान दिया गया है। फुटबॉलर मोहम्मद सलाह 39वें, फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास 45वें और न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी 49वें स्थान पर हैं।

गाजा के डॉक्टर सम्मानित

इस बार फिलिस्तीनी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हुसाम अबू सफिया को ममैन ऑफ द ईयरफ चुना गया है। वे गाजा के कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक रह चुके हैं। रिपोर्ट में युद्ध के दौरान मरीजों को नहीं छोड़ने और चिकित्सा सेवाएं जारी रखने के उनके प्रयासों का उल्लेख किया गया है। उन्हें इजरायली हिरासत में 600 से अधिक दिन बिताने का भी जिक्र किया गया है।

वहीं, ईरान के मिनाब में फरवरी 2026 में हुए स्कूल हमले में बची छात्रा फातेमेह जहरा शेखाबादी को मवुमन ऑफ द ईयरफ चुना गया है। उन्होंने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सामने मिनाब के बच्चों की आवाज उठाई थी। मिनाब के स्कूल पर हुए अमेरिकी हमले में 150 से अधिक बच्चियों की मौत हो गई थी।

यह सूची धर्म, राजनीति, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्रों में मुस्लिम समुदायों पर प्रभाव डालने वाले लोगों के योगदान के आधार पर तैयार की जाती है। इसे वर्ष 2009 से हर साल प्रकाशित किया जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 16 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

राजस्थान में हैदराबाद के श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत

श्री गौरव खंडेलवाल एवं परिवार ने पुष्पमालाओं से किया आत्मीय अभिनंदन,

वाहनों और अल्पाहार की रही विशेष व्यवस्था

29 सदस्यीय श्रद्धालु दल पहुँचा जयपुर, सालासर बालाजी

–जीण माता एवं श्याम बाबा की दिव्य ज्योत और स्वरूप भाग्यनगर लाने का संकल्प

आतिथ्य और सेवाभाव ने जीता श्रद्धालुओं का दिल, धार्मिक यात्रा को लेकर भक्तों में उत्साह



हैदराबाद/जयपुर, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के संस्थापक सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का 29 सदस्यीय दल रविवार प्रातः हैदराबाद से जयपुर पहुँचा। प्रातः 5 बजे हैदराबाद से रवाना हुआ यह दल सुबह 7 बजे जयपुर पहुँचा, जहाँ श्री गौरव खंडेलवाल, श्री सीताराम गुप्ता एवं सुश्री ऋचा खंडेलवाल ने सभी श्रद्धालुओं का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया।

जयपुर एयरपोर्ट पर हैदराबाद से पहुँचे श्रद्धालुओं का पुष्पमालाओं से अभिनंदन कर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस आत्मीय सत्कार से सभी श्रद्धालु अभिभूत हो उठे। अतिथियों के लिए वाहनों की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ स्वादिष्ट अल्पाहार का भी विशेष प्रबंध किया गया था। पूरे स्वागत समारोह में खंडेलवाल परिवार का प्रेम, अपनत्व एवं सेवाभाव विशेष रूप से देखने को मिला। यात्रियों ने इस आत्मीय आतिथ्य के लिए श्री गौरव खंडेलवाल एवं उनके परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। वाहन व्यवस्था में गाड़ी सवारी का भी विशेष सहयोग रहा।

इस धार्मिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य राजस्थान की पावन धरा से श्री सालासर बालाजी की पावन ज्योत, माँ श्री जीण माता का दिव्य स्वरूप एवं पावन ज्योत तथा श्री श्याम बाबा के दिव्य स्वरूप एवं पावन ज्योत को भाग्यनगर (हैदराबाद) लेकर आना है। भाग्यनगर में इन आराध्य देवों के दिव्य स्वरूपों की प्राण-प्रतिष्ठा का पावन आयोजन प्रस्तावित है। इसी धार्मिक एवं आध्यात्मिक संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से इस विशेष यात्रा का आयोजन किया गया है।

इस यात्रा में श्री गिरिश कुमार गुप्ता, श्रीमती रुचिता गुप्ता, श्री विनय जैन, श्रीमती नविता जैन, श्री दीवित जैन, श्री संदीप कुमार जैन, श्रीमती स्वाति जैन, श्री दिलीप कुमार जैन, श्रीमती अनिता नथानी, श्री प्रदीप चंद्र सांघी, श्रीमती बरखा रानी सांघी, श्री दीपक कुमार गुप्ता, श्रीमती नमिता गुप्ता, श्रीमती प्रियंका रानी, श्री प्रतीक कुमार नरसरिया, श्रीमती माया नरसरिया, श्री खेवंश नरसरिया, श्रीमती पायल जालान, श्री राहुल जैन, श्री पवन कुमार जाजोदिया, श्री उमेश कुमार, श्री विजेंद्र गोयल, श्रीमती सरिता गोयल, श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्रीमती शालिनी अग्रवाल, श्री रितेश सांघी, श्रीमती मोनिका सांघी, पंडित श्री भंवर लाल शर्मा एवं श्री हरीश दाहिमा शामिल हैं।

इस अवसर पर श्री सीताराम गुप्ता, श्री गौरव खंडेलवाल एवं सुश्री ऋचा खंडेलवाल के सहयोग, आत्मीयता एवं उत्कृष्ट आतिथ्य की सभी श्रद्धालुओं ने मुक्तकंठ से सराहना की। सभी ने कहा कि राजस्थान की पावन धरती पर मिला यह स्नेहपूर्ण स्वागत उनकी धार्मिक यात्रा को और भी यादगार बना गया।

राजस्थान की पावन धरा से आराध्य देवों के दिव्य स्वरूप एवं पावन ज्योत को भाग्यनगर लाने का यह प्रयास श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनुपम संगम है। यह यात्रा हैदराबाद के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व का अवसर बन रही है। आगामी प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह और धार्मिक उल्लास का वातावरण है।

तीन दिवसीय नशामुक्ति वॉकाथॉन 24 से



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान को और मजबूत बनाने के लिए हैदराबाद में एक बड़ी पहल होने जा रही है। आगामी 24, 25 और 26 नवंबर 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक नशामुक्त भारत वॉकाथॉन का आयोजन किया जाएगा।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कवाडीगुडा स्थित सीजीओ टावर्स में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में विभिन्न हिंदीभाषी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें आयोजन की रूपरेखा, मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों और विभिन्न संगठनों की भागीदारी को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा नेता बंगारू शुति, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़, भाजपा तेलंगाना राज्य सह-कोषाध्यक्ष विजय सुराणा, भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, मंत्री हरप्रीत सिंह, तेलंगाना गुजराती समाज के ट्रस्टी जसमत पटेल, कच्छी जैन समाज से रिद्धीश जागीरदार, जैन समाज से गौतम गांधी, गुजराती वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन जिग्रेश दोशी, हैदराबाद किराना मर्चेंट एसोसिएशन के मंत्री अविनाश देवड़ा, मनप्रीत सिंह, विप्र समाज से सुरेश शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सोहनलाल कडेल, अग्रवाल समाज से दिलीप पसारी और दीपक अग्रवाल, मराठी समाज से राधिका देशपांडे, फिल्म निदेशक अभिषेक अग्रवाल, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत, सतीश जाजू आदि ने भाग लिया।बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि तीन दिन तक चलने वाले इस वॉकाथॉन में हजारों नागरिक, विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवक एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे तथा नशामुक्त समाज का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता युवाओं को नशे से बचाना है। आज नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे परिवार और समाज को तोड़ रहा है। नशे की लत के कारण युवा पढ़ाई से भटक रहे हैं, परिवारों में कलह बढ़ रहा है, अपराध बढ़ रहे हैं और देश की सबसे बड़ी ताकत युवा शक्ति कमजोर हो रही है।उन्होंने कहा कि इस वॉकाथॉन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना, माता-पिता और शिक्षकों को जागरूक करना तथा समाज में यह संदेश देना है कि नशामुक्त जीवन ही सुखी, स्वस्थ बंगारू शुति ने कहा कि वॉकाथॉन के दौरान प्रतिभागी हाथों में नशामुक्ति के संदेश वाले बैनर और तख्तियां लेकर चलेंगे। जगह-जगह नुक्कड़ सभाएं, जागरूकता भाषण और नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व नशापीड़ितों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि लोग समझ सकें कि नशा छोड़ना संभव है और नशा छोड़ने के बाद जीवन और भी सुंदर हो जाता है।पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़ ने कहा कि यह केवल एक पैदल यात्रा नहीं, बल्कि समाज को जगाने की यात्रा है। हर कदम एक संकल्प होगामैं नशा नहीं करूंगा और दूसरों को भी नशा करने से रोकूंगा।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एमबीए विभाग का औद्योगिक भ्रमण



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस.डी. सिग्रोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग की ओर से औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विभाग के कॉरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों की कार्यक्षमता और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं।

इस वर्ष यह औद्योगिक भ्रमण दिव्यशक्ति पेपर मिल में आयोजित किया गया, जो अग्रवाल शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्री रवीन्द्र कुमार अग्रवाल की है। इस भ्रमण में करीब 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनके साथ सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, वेंकटेश, श्रीमती रश्मिता, कार्यालय प्रभारी सुनयना तथा दो आया भी उपस्थित रहीं।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को पेपर मिल में कागज तैयार करने की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। पेपर मिल के प्रबंधकों एवं तकनीशियनों ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब बड़ी सहजता से दिए और कागज निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। इससे विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला।विद्यार्थियों ने सुबह 8 बजे बसों के माध्यम से कॉलेज से प्रस्थान किया और शाम 6 बजे वापस कॉलेज पहुंचे। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से सभी के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों में काफी उत्साह रहा।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने वितरित कीं 50 राशन किट

हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भाँति नवंबर माह में भी सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को 50 राशन किट वितरित किए गए। संस्था पिछले 18 महीनों से निरंतर यह सेवा कार्य कर रही है। इस अवसर पर राशन सामग्री के साथ-साथ परिवारों की आवश्यकताओं एवं सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए कंबल, रसोई में अनाज रखने के लिए प्लास्टिक के डिब्बे तथा अन्य उपयोगी घरेलू वस्तुएँ भी वितरित की गईं। संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि इस माह राशन किट वितरण कार्यक्रम रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर घरेलू उपयोग की अतिरिक्त वस्तुओं के वितरण के प्रायोजक संस्था एवं बजरंग लाल शर्मा रहे।



उन्होंने बताया कि 50 राशन किट के प्रायोजकों में मंगत राय जी एवं राम कुमार जी परिवार के श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदारनाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार), पुरुषोत्तम दास जी एवं सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन), तथा महेंद्र कुमार जी डाबलावाले शामिल हैं।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि संस्था पिछले 18 महीनों से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को नियमित रूप से राशन किट वितरित कर रही है। इसके साथ ही प्रत्येक माह मौसम एवं परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग उपयोगी वस्तुएँ भी प्रदान की जाती हैं। पिछले वर्ष नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल वितरित किए गए थे। दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में संक्रांति त्योहार के अवसर पर साड़ियाँ तथा फरवरी में चटाइयाँ वितरित की गई थीं।

इसी प्रकार अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें, रसोई की कड़ाही, प्लास्टिक की बाल्टी, मग, प्लास्टिक की बुट्टियाँ, स्टील के डिब्बे तथा अल्पाहार की प्लेटें वितरित की गईं। दीपावली के अवसर पर पूजा की थालियाँ, दीपक आदि का वितरण भी किया गया था। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को राशन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी दैनिक घरेलू आवश्यकताओं में भी सहयोग प्रदान करना है।

संस्था की ओर से बताया गया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है तथा जो 10 हजार रुपये से कम मासिक किराए वाले मकान में रहते हैं, वे इस सेवा का लाभ लेने के लिए सीधे संपर्क कर सकते हैं। ऐसे परिवारों को अपना आधार कार्ड एवं फोटो भेजना होगा, जिसके बाद उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए राशन किट की व्यवस्था की जाएगी।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर प्रायोजक श्री सुरेश कुमार टंडन, श्री महेंद्र कुमार अग्रवाल डाबलावाले एवं श्री बजरंग लाल शर्मा के अतिरिक्त संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, आर. ए. अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाले, श्रीमती संतोष अग्रवाल, बबीता अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

सोनम मित्तल की पुण्य स्मृति में अन्नसेवा से मानवता और परोपकार की प्रेरणादायी मिसाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सोनम मित्तल की पुण्य स्मृति में सोनम मित्तल वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकंदराबाद की ओर से नामपल्ली एवं केबीआर पार्क स्थित सेवा केंद्रों पर विशेष अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस पुनीत अवसर पर सोनम मित्तल की स्मृति को सेवा और समर्पण के माध्यम से जीवंत रखते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। यह आयोजन इस बात का प्रेरणादायी उदाहरण रहा कि किसी अपने की याद को समाजसेवा से जोड़कर उसे मानवता के कल्याण का माध्यम बनाया जा सकता है। भूखे को भोजन कराना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे सुंदर स्वरूप है।

उल्लेखनीय है कि सोनम मित्तल वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकंदराबाद की ओर से विगत एक वर्ष से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के नियमित अन्नसेवा कार्यक्रमों में निरंतर सहभागिता निभाई जा रही है। ट्रस्ट का यह निरंतर सहयोग समाज के प्रति समर्पण और जरूरतमंदों की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नामपल्ली एवं केबीआर पार्क दोनों सेवा केंद्रों पर अन्नदान के माध्यम से सेवा की इस परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है।इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा, शिवचरण मित्तल, उर्मिला मित्तल, विशाल अग्रवाल एवं शिवानी अग्रवाल सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जाट सभा की नई कार्यकारिणी गठित



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जाट सभा रजि., हैदराबाद, तेलंगाना की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें समाज के विभिन्न सदस्यों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

नवनियुक्त कार्यकारिणी में सज्जन कुमार मान को अध्यक्ष, रामकिशन भूरिया को कार्यकारी अध्यक्ष, बलबीर सिंह मोगा को सचिव, विजय सिंह भलोटिया को सह-सचिव, सुरेश जाखड़ को संयुक्त सचिव तथा रमेश को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर समाज की एकता, भाईचारे, सामाजिक विकास और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ के तत्वावधान में
श्रद्धालुओं ने दिया अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर भारतीय नागरिक संघ की ओर से अध्यक्ष एन.के. सिंह के नेतृत्व में कर्मनघाट स्थित हनुमान मंदिर परिसर में तीन दिवसीय छठ पूजा महापर्व का आयोजन किया गया।

महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य भगवान को प्रथम अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एलबी नगर के विधायक श्री डी. सुधीर रेड्डी, भाजपा नेता श्री गोविंद राठी, बीआरएस नेता डी. श्रवण कुमार तथा मंदिर समिति के सहायक पीएसएस प्रसाद उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने उत्तर भारतीय नागरिक संघ की ओर से आयोजित छठ पूजा की व्यवस्थाओं की सराहना की।

आयोजन में भारतमणि सिंह, राजन मणि सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, देव कुमार पुखराज, डी.के. तिवारी, नरेंद्र भगत, मालती देवी, दीपिका सिंह, नेहा सिंह सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

खेलो इंडिया और ग्लोबल समिट में शामिल होने का दिया निमंत्रण





हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य की लंबित सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने, अंतरराज्यीय जल विवादों के समाधान और सूखे की स्थिति से निपटने के लिए केंद्र से सहयोग मांगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को 11 से 22 दिसंबर तक तेलंगाना में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2026 के उद्घाटन एवं समापन समारोह तथा इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026 में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र सरकार से प्राणहिता नदी पर तुम्मिडीहट्टी परियोजना के बैराज की ऊंचाई 152 मीटर करने पर सहमति दिलाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि भूमि डूबने के एवज में महाराष्ट्र को मुआवजा देने के लिए तेलंगाना तैयार है। इसके अलावा पालमुरु-रंगारेड्डी, सीताराम और डिंडी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय एवं अन्य वैधानिक मंजूरियां शीघ्र देने की मांग की।

रेवंत रेड्डी ने राज्य को पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपये देने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि इससे 70 से 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को पूरा कर सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा सकेगा।

सम्मक्का-सारक्का परियोजना के लिए छत्तीसगढ़ से अनापत्ति प्रमाणपत्र जल्द दिलाने तथा विभिन्न सिंचाई योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वित्तीय सहायता देने की मांग भी रखी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ आठवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2026 के आधिकारिक लोगो और शुभंकर का अनावरण किया।

सज्जनार के कार्यकाल की स्वतंत्र जांच की मांग

राजा सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, सीबीआई जांच या न्यायिक जांच कराने का किया आग्रह

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर हैदराबाद के पूर्व पुलिस आयुक्त श्री वी. सी. सज्जनार, आईपीएस के कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों, लंबित मामलों और संदिग्ध अनियमितताओं की स्वतंत्र सीबीआई जांच या न्यायिक जांच कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री को संबोधित अपने पत्र में विधायक टी. राजा सिंह ने उल्लेख किया है कि श्री वी. सी. सज्जनार, जो हाल ही में हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और अब उनका तबादला किसी अन्य विभाग में कर दिया गया है, उनके कामकाज और निर्णयों को लेकर कई गंभीर सवाल और आरोप उठ रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि पुलिस आयुक्त का पद राज्य के सबसे जिम्मेदार और सम्मानित पदों में से एक है, और जनता इस पद पर बैठे व्यक्ति से सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, निष्पक्षता



और जवाबदेही के उच्चतम मानकों की अपेक्षा करती है।

विधायक द्वारा पत्र में उठाए गए प्रमुख बिंदु और आरोप निम्नलिखित हैं:

1. **हालिया सार्वजनिक बयानों और ट्वीट से उठे गंभीर सवाल** पत्र के अनुसार, जनार्दन के खिलाफ गंभीर आरोपों वाले उनके हालिया ट्वीट के बाद उनके आचरण को लेकर सवाल और संदेह और गहरे हो गए हैं। इन घटनाक्रमों ने उनके कार्यकाल के दौरान संभाली गई कुछ जांचों की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर भी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

2. **सोना चोरी मामला** विधायक ने पत्र में कहा है कि सज्जनार के कार्यकाल के दौरान दर्ज किए गए सोना चोरी मामले में कथित तौर पर कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। जांच की स्थिति, सार्थक विकास की कमी और गिरफ्तारियों के न होने को लेकर सवाल बने हुए हैं। यह स्थापित करना महत्वपूर्ण है कि जांच आगे क्यों नहीं बढ़ी और क्या निष्कर्षों में देरी करने या उन्हें दबाने के लिए कोई जानबूझकर प्रयास किए गए थे।

3. **हैमवे मामला** चिंता का एक अन्य विषय हैमवे मामला है, जो उनके कार्यकाल के दौरान ही दर्ज किया गया था। आरोपों की गंभीरता के बावजूद, जांच में ठोस प्रगति की कमी को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इस मामले में हुई देरी के कारणों और इसे संभालने के तरीके की स्वतंत्र रूप से जांच होनी चाहिए।

4. **तेलंगाना फोन-टैपिंग मामला** पत्र में उल्लेख है कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सामने आए फोन-टैपिंग कांड में कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं, वीआईपी और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की निगरानी से जुड़े आरोप शामिल हैं। प्राथमिकीदर्ज होने और सज्जल रामकृष्ण राव से जुड़े आरोपों सहित वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता के बावजूद, जांच की प्रगति और दिशा को लेकर सवाल बने हुए हैं। ऐसी गंभीर चिंताएं हैं कि जांच को उसके वास्तविक मार्ग से भटकाया गया हो सकता है। तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री सज्जनार की भूमिका और क्या मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की गई थी, इस पर भी आरोप और सवाल उठाए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि अटकलों की गुंजाइश छोड़ने के बजाय इन मामलों की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है।

5. **पूर्व सीबीआई निदेशक द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप** विधायक ने लिखा है कि पूर्व सीबीआई निदेशक श्री एम. नागेश्वर राव ने कथित तौर पर श्री सज्जनार के खिलाफ बेहद गंभीर सार्वजनिक टिप्पणियां की हैं, जिनमें उन्हें पुलिस की वर्दी के पीछे छिपे अपराधी जैसा व्यवहार करने वाला व्यक्ति बताना और यह सवाल उठाना शामिल है कि कानूनी कार्रवाई करने के बजाय उनका तबादला क्यों किया गया। पत्र में कहा गया है कि जब केंद्रीय जांच ब्यूरो का कोई पूर्व निदेशक किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के खिलाफ इतने गंभीर आरोप लगाता है, तो सरकार उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकती। अधिकारी द्वारा पूर्व में धारण किए गए पदों की परवाह किए बिना इन आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से जांच की जानी चाहिए।

6. **संपत्तियों और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच** पत्र के अंतिम बिंदु में कहा गया है कि भारी संपत्ति अर्जित करने को लेकर भी आरोप और सार्वजनिक चर्चाएं चल रही हैं, जिनमें ऐसी खबरें शामिल हैं कि कर्नाटक में उनके पैतृक गांव या उसके आसपास लगभग 100 एकड़ जमीन खरीदी गई हो सकती है। विधायक ने मांग की है कि धन के स्रोत, स्वामित्व के विवरण, घोषित संपत्तियों और इसमें शामिल वित्तीय लेनदेन का सत्यापन किया जाना चाहिए। जांच से यह स्थापित होना चाहिए कि क्या ये संपत्तियां उनकी आय के ज्ञात स्रोतों के अनुपात में हैं और क्या किसी नियम का उल्लंघन किया गया है।

चारमीनार तक ई-कार्ट सेवा शुरू करने की मांग



हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के ऐतिहासिक पुराने शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटकों की आवाजाही को सुगम बनाने तथा स्थानीय व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से घांसी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन, घांसी बाजार, भाग्यनगर की ओर से एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया है। एसोसिएशन ने सैलारजंग म्यूजियम से चारमीनार तक 15 सीटर बैटरी संचालित ई-कार्ट सेवा शुरू करने की मांग की है।

इस संबंध में तेलंगाना पर्यटन विभाग, तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस तथा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त से विशेष आग्रह किया गया है कि इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

एसोसिएशन के प्रस्ताव के अनुसार, 15 यात्रियों की क्षमता वाली बैटरी संचालित पर्यावरण अनुकूल कार्ट सेवा शुरू की जाए, जिसमें पर्यटकों से मात्र 10 से 20 रुपये तक का नाममात्र किराया लिया जाए। इससे सैलारजंग म्यूजियम आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को चारमीनार तथा आसपास के प्रमुख पर्यटन एवं खरीदारी क्षेत्रों तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी।

प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि पर्यटन के बढ़ते फुटफॉल को देखते हुए पुराने शहर में पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता है। पोस्टर में पर्यटकों की संख्या 9 लाख से बढ़कर 12.90 लाख होने का उल्लेख करते हुए बेहतर परिवहन सुविधा की जरूरत पर जोर दिया गया है।

एसोसिएशन का मानना है कि इस सेवा के शुरू होने से पुराने शहर की संकरी एवं व्यस्त सड़कों पर पर्यटकों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। साथ ही सड़कों पर अनावश्यक भीड़ एवं हॉकरों के कारण होने वाली परेशानी को कम करने में भी मदद मिल सकती है। पर्यटकों को कम खर्च में सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा, वहीं चारमीनार एवं घांसी बाजार के आसपास स्थित स्थानीय दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और छोटे कारोबारियों के व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा।प्रस्तावित ई-कार्ट सेवा बैटरी से संचालित होने के कारण पर्यावरण के अनुकूल होगी।

नशामुक्त तेलंगाना अभियान को मिलेगी गति

अलाई बलाई फाउंडेशन ने गठित कीं तीन समितियां



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अलाई बलाई फाउंडेशन की अध्यक्ष बंडारू विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में 15 नवंबर को स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशामुक्त भारत-नशामुक्त तेलंगाना अभियान के तहत भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा राज्य में नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए विभिन्न समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चक्रपाणि, अजय मिश्रा, डॉ. एन. सत्यनारायण, एनसीईआरटी के पूर्व सदस्य प्रो. मुरली मनोहर, अकैला राघवेंद्र, पूर्व एमएलसी जनार्दन रेड्डी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने विचार व्यक्त किए। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय एवं कॉलेज समन्वय समिति, सिनेमा, सोशल मीडिया, साहित्य एवं गीत समन्वय समिति तथा प्रोफेशनल्स समन्वय समिति का गठन किया गया। विश्वविद्यालय एवं कॉलेज समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. मुरली मनोहर तथा समन्वयक प्रो. राजी रेड्डी नियुक्त किए गए। इसके सदस्य विश्वनाथ, रंजीत मोहन, वेंकट रेड्डी, जयदेव शीलम और श्रीकांत होंगे।

सिनेमा, सोशल मीडिया, साहित्य एवं गीत समन्वय समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री सत्यनारायण तथा समन्वयक वंतिपल्ली भारती होंगी। इसमें अकैला राघवेंद्र राव, कृष्ण प्रदीप, हरिबाबू और खेल प्रतिनिधि पेरिका सुरेश सदस्य रहेंगे। प्रोफेशनल्स समन्वय समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चक्रपाणि तथा समन्वयक संदीप होंगे। समिति में बल्दा अशोक, डॉ. अवुला रामचंदर, जी. योगानंद, अधिवक्ता एल. प्रभाकर रेड्डी, अधिवक्ता गोपाल शर्मा और डॉ. सुरेंद्र सदस्य बनाए गए हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्यों में पूर्व मंत्री ई. पेड्डी रेड्डी, पूर्व एमएलसी जनार्दन रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अजय मिश्रा, डॉ. रश्मि कांडलीकर और डॉ. सुरेश गौड़ शामिल हैं।

फाउंडेशन ने बताया कि अभियान के तहत सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, युवाओं, धार्मिक संगठनों, फिल्म जगत और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां, सम्मेलन, खेल एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। गठित समितियां तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू करेंगी।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के प्रमुख फैशन एवं लाइफस्टाइल एग्जीबिशन ब्रांड हाईलाइफ की नवंबर फैशन स्पेशल प्रदर्शनी का रविवार को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी में भव्य शुभारंभ हुआ। 17 नवंबर तक आयोजित इस प्रदर्शनी में डिजाइनर परिधान, फेस्टिव वियर, ब्राइडल एवं वेडिंग कलेक्शन, साड़ियां, आकर्षक ज्वेलरी, एक्सेसरीज और लाइफस्टाइल उत्पादों की विस्तृत शृंखला प्रदर्शित की जा रही है। शुभारंभ अवसर पर हाई-लाइफ एग्जीबिशंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एबी पी. डोमिनिक के साथ अभिनेत्री वर्षा, अभिनेत्री ऋतु चौधरी, अभिनेत्री रुक्सार पटेल सहित कई सेलिब्रिटी, फैशन प्रेमी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर एबी पी. डोमिनिक ने कहा कि हाई-लाइफ देश के लोकप्रिय फैशन, लग्जरी, फेस्टिव और वेडिंग शॉपिंग एग्जीबिशन ब्रांडों में से एक है। हैदराबाद में आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में डिजाइनर परिधानों, ट्रेंडिंग फैशन, साड़ियों, ब्राइडल कलेक्शन, वेडिंग वियर, ज्वेलरी और एक्सेसरीज के आकर्षक संग्रह एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए गए हैं।

पूर्वांचल भोजपुरी मैथिली एकता के तत्वावधान में

आस्था और भक्ति के संगम में संपन्न हुआ छठ महापर्व



हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्वांचल भोजपुरी मैथिली एकता, तेलंगाना के तत्वावधान में लोकआस्था, अटूट श्रद्धा और भक्ति के महापर्व छठ पूजा का आयोजन अत्यंत भव्य, दिव्य एवं भक्तिमय वातावरण में श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा समस्त मानव समाज के कल्याण की मंगलकामना की। छठ घाट पर आस्था, भक्ति और उत्साह का अनुपम दृश्य देखने को मिला। पारंपरिक छठ गीतों की मधुर गूंज, भक्तिमय वातावरण तथा श्रद्धालुओं की सामूहिक सहभागिता ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सांस्कृतिक एकता से सराबोर कर दिया। घाट पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति और पारंपरिक रीति-रिवाजों ने छठ महापर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर व्रतियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य नारायण तथा छठी मैया की विधिवत आराधना की। सभी ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, शांति एवं खुशहाली के साथ-साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना बनाए रखने तथा समस्त मानव समाज के सर्वकल्याण की कामना की।यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक ही नहीं रहा, बल्कि तेलंगाना की धरती पर पूर्वांचल की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक एकजुटता की भी सुंदर झलक प्रस्तुत कर गया। छठ महापर्व के माध्यम से लोकपरंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुंचा।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.